



भविष्य में क्या होगा, मैं यह नहीं सोचना चाहता। मुझे वर्तमान की चिंता है। ईश्वर ने मुझे आने वाले क्षणों पर कोई नियंत्रण नहीं दिया है

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा

वर्ष-32 अंक-216

नर्मदापुरम (होशंगाबाद) बुधवार 07 अक्टूबर 2026

पृष्ठ-8 मूल्य -1 रुपये

सम्पादक- कृष्णाकान्त सक्सेना

गुजरात में भीषण सड़क हादसा: ट्रेलर में जा घुसी तेज रफतार SUV, वाहन के उड़ें परखच्चे; 7 लोगों की दर्दनाक मौत



भावनगर (आरएनएस)। गुजरात के भावनगर जिले में सोमवार को एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया है, जिसमें सात लोगों की अकाल मौत हो गई। यह भीषण दुर्घटना भावनगर-अलंग राष्ट्रीय राजमार्ग पर उस वक घटी, जब यात्रियों से भरी एक तेज रफतार एसयूवी (SUV) आगे चल रहे ट्रेलर-ट्रक से जा टकराई। टकरा इतनी भयानक थी कि एसयूवी के परखच्चे उड़ गए और वाहन में सवार छह लोगों ने मौके पर ही

दम तोड़ दिया, जबकि एक अन्य घायल ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ा। जानकारी के अनुसार, एसयूवी में सवार लोग अलंग स्थित प्रसिद्ध शिप ब्रेकिंग यार्ड (जहाज तोड़ने के कारखाने) की ओर जा रहे थे। राष्ट्रीय राजमार्ग पर सफर के दौरान अचानक कार अनियंत्रित होकर आगे चल रहे बड़े ट्रेलर के पिछले हिस्से में जा घुसी। भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर होकर ट्रेलर के नीचे फंस गया, जिससे अंदर बैठे यात्रियों को संभलने तक का मौका नहीं मिला और वे गंभीर रूप से लहलुहान हो गए।हादसे की तेज आवाज सुनकर आसपास मौजूद राहगीर और स्थानीय ग्रामीण तुरंत मदद के लिए दौड़े। प्रत्यक्षदर्शियों ने तत्परता दिखाते हुए घटना की सूचना अलंग थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस बल एंबुलेंस के साथ मौके पर पहुंचा और क्षतिग्रस्त गाड़ी की बाँड़ी को काटकर उसमें फंसे लोगों को बाहर निकालने का रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। पुलिस ने घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने छह लोगों को मौके पर ही मृत घोषित कर दिया।

अपाचे हेलिकॉप्टर ने हवा में ड्रोन को किया ध्वस्त, 30 एमएम गन की मारक क्षमता का परीक्षण

जैसलमेर (आरएनएस)। भारत-पाकिस्तान सीमा के पास जैसलमेर के रेगिस्तानी क्षेत्र में भारतीय सेना की 'वैलिगंट विंग्स' स्काइन ने एएच-64ई अपाचे लड़ाकू हेलिकॉप्टर की हथियार प्रणाली की क्षमता का परीक्षण किया। अभ्यास के दौरान अपाचे हेलिकॉप्टर ने अपनी पहले से लगी 30 मिलीमीटर की स्वचालित श्रृंखला बंदूक से हवा में उड़ रहे मानवरहित ड्रोन को निशाना बनाकर ध्वस्त कर दिया। इस अभ्यास में 'बंशी जेट 40 प्लस' मानवरहित ड्रोन को हवाई लक्ष्य के रूप में इस्तेमाल किया गया। रक्षा प्रवक्ता ने सेना के आधिकारिक सामाजिक माध्यम मंच 'एक्स' पर अभ्यास की जानकारी साझा की। बताया गया कि पायलट ने हवाई लक्ष्य की पहचान कर उस पर निशाना साधा और इसके बाद अपाचे की 30 मिलीमीटर श्रृंखला बंदूक से गोलाबारी की गई। सटीक निशाने के बाद ड्रोन हवा में ही नष्ट हो गया।



रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड में पहले स्वेडशी फ्लीट सपोर्ट शिप (एफएसएस-1) - जिसका नाम आईएनएस सूर्य है - के लॉन्च के दौरान।

इंडिया गठबंधन का धरना

पुलिस हिरासत से रिहा हुए राहुल-प्रियंका समेत सभी नेता

नई दिल्ली (आरएनएस)। विपक्षी नेता और सांसद मंगलवार को एसआईआर प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों और सीईसी ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर संसद से निर्वाचन सदन तक मार्च किया। हालांकि, देर शाम दिल्ली पुलिस ने राहुल-प्रियंका समेत 50 सांसदों को हिरासत में लेकर आकाशवाणी भवन में चल रहे धरने को खत्म करवा दिया। दिल्ली पुलिस सभी नेताओं को किंग्सवे कैप ले गई। राहुल-प्रियंका गांधी समेत 50 सांसदों और करीब 250 नेताओं को किंग्सवे कैप से छोड़ा गया। पुलिस ने करीब दो घंटे बाद इन नेताओं को हिरासत में रखने के बाद रिहा कर दिया।

राहुल गांधी बोले- एक भी देशद्रोही को बख्शा नहीं जाएगा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दिल्ली पुलिस की ओर से हिरासत में लिए जाने को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने एक्स पर हिरासत में लिए जाने का वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि लोकतंत्र के गद्गारों को बचाने के लिए बचे-खुचे लोकतंत्र को घसीटा गया है। हिसाब होगा - एक भी देशद्रोही बख्शा नहीं जाएगा।

भाजपा बोली- राहुल गांधी को करना था सिर्फ राजनीतिक ड्रामा भाजपा सांसद त्रिवेदी ने आगे कहा, झूठ नंबर दो- चुनाव आयोग ने अपनी प्रेस रिलीज में कहा कि शाम 4 बजे उन्हें पुलिस के डीसीपी के माध्यम से पता चला कि नेता प्रतिपक्ष चुनाव आयोग से मिलना चाहते हैं। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि उसने एक निर्धारित प्रक्रिया बना रखी है और कोई भी दल मिलना चाहे तो वह तत्काल मिलने के लिए तैयार है, लेकिन प्रतिनिधियों के माध्यम से। लेकिन उन्होंने ज़िद की कि वे 300 सांसदों के साथ चुनाव आयोग के परिसर में जाएंगे, जो भारत के इतिहास में कभी नहीं हुआ और न ही वहां इतनी बड़ी संख्या में लोगों के लिए व्यवस्था है। अर्थात, यह फिर दर्शाता है कि वे वास्तव में चुनाव आयोग से मिलने के लिए तैयार ही नहीं थे। तीसरी बात- चुनाव आयोग ने कहा कि वह अपने एक वरिष्ठ अधिकारी को भरना स्थल पर भेज देगा और वहां वे अपना ज्ञापन दे सकते हैं। इसके लिए भी वे तैयार नहीं हुए। अर्थात, यह स्पष्ट है कि उनका उद्देश्य चुनाव आयोग के सामने अपनी बात रखना नहीं, बल्कि केवल राजनीतिक ड्रामा करना था।

पटवारियों को सरकार नहीं मना पाई-19 दिन बाद भी 0 रजिस्ट्री



स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में कर्मशियल जहाज पर भीषण हमला, 11 भारतीय क्रू मेंबर घायल; भारत ने की कड़ी निंदा

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत के विदेश मंत्रालय (एमईए) ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे कर्मशियल जहाज पर हमले की जानकारी दी है। एमईए ने हमले की निंदा करते हुए बयान जारी किया। बताया कि ओमान तट के पास होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे पनामा के झंडे वाले जहाज 'एमवी ऑन पीस' (आईएमओ 9893204) पर मंगलवार को हमला किया गया। जहाज पर सवार 19 सदस्यीय चालक दल में 17 भारतीय नागरिक थे, जिनमें से कुल 12 घायल हो गए। इनमें से 11 भारतीय नाविक थे।भारत ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों पर



लगातार हो रहे हमलों को लेकर गहरी चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, होर्मुज स्ट्रेट से गुजरते समय जहाज पर एक प्रोजेक्टाइल आकर लगा। हमले में 12 चालक

दल के सदस्य घायल हुए, जिनमें 11 भारतीय नागरिक हैं। इसमें आगे बताया गया कि ओमानी अधिकारियों की सहायता से सभी घायल चालक दल के सदस्यों को जहाज से निकालकर सुरक्षित रूप से ओमान के खासाब ले जाया गया, जहां उन्हें चिकित्सा उपचार दिया जा रहा है। भारत ने इस दौरान मदद के लिए ओमानी अधिकारियों का आभार जताया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्र में जहाजों पर हमलों की लगातार हो रही घटनाएं भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। भारत ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता के हित में ऐसे हमलों को तत्काल रोकने की अपनी अपील दोहराई।

वर्ष 2027- युवा वर्ष के रूप में मनाया जायेगा

- यूथ आइकॉनिक सिंगर जुबिन नौटियाल की सांगीतिक प्रस्तुतियों ने समा बांधा
- सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत मध्यप्रदेश सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज के पंजीयन का हुआ शुभारंभ



शोधार्थियों को मिलने वाली राशि 16 हजार से बढ़ाकर की जायेगी 25 हजार रुपए प्रतिमाह

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वर्ष 2027 प्रदेश में युवा वर्ष के रूप में मनाया जाएगा और एक वर्ष में मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की एक नहीं, दो परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। इसके साथ ही प्रदेश में 12 नए मेडिकल कॉलेज और रोजगारपरक कोर्स के लिए 12 नए विश्वविद्यालय आरंभ किए जाएंगे, जो कौशल उन्नयन पर केन्द्रित होंगे। प्रदेश के एक लाख युवाओं को कौशल उन्नयन योजना से जोड़ा जाएगा। युवा



वर्ष 2027 के लिए एक पोर्टल की भी शुरुआत की जाएगी, जिसमें युवा अपने विचार और सुझाव दे सकेंगे। राज्य सरकार उपयुक्त सुझावों को लागू करने की दिशा में कार्य करेगी। प्रदेश के सभी जिलों के शासकीय महाविद्यालयों में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग की व्यवस्था की जाएगी। कॉलेजों में विद्यार्थियों के बेहतर प्लेसमेंट के लिए विशेष एजेंसी निर्धारित की जाएगी, जो युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए काम करेगी। स्नातकोत्तर की छात्राओं को गांव की बेटी और प्रतिभा किरण योजना में शामिल किया जाएगा। सभी शासकीय महाविद्यालयों में

अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एडवांस कम्प्यूटिंग लैब की स्थापना की जाएगी। उच्च शिक्षा में शोध को प्रोत्साहन देने के लिए शोधार्थियों को मिलने वाली राशि को 16 हजार से बढ़ाकर 25 हजार रूपए प्रतिमाह किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह घोषणाएं आज सीएम यूथ कॉन्क्लेव -2026 को संबोधित करते हुए कीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाल परेड ग्राउंड पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

युवाओं के लिये लगाए गए अनेक स्टॉल्स

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में सीएम यूथ कॉन्क्लेव में यूथ आइकॉनिक सिंगर जुबिन नौटियाल और कबीर कैफे द्वारा मंत्रमुग्ध करने वाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गयीं। मेरी चौखट पर चलकर आज प्रभु श्रीराम आए हैं, शंकर संकट हरना, श्रीकृष्ण गोविंद हरे मुरारी जैसे भजनों पर युवा झूम उठे। लाल परेड मैदान युवाओं के उत्साह, उमंग और ऊर्जा से सराबोर हो गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर नेशनल एआई लिटरेसी मिशन के कौशल रथ द्वारा संचालित गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने युवाओं द्वारा प्रस्तुत नुक़्क़ नाटक भी देखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर युवाओं के लिए मानसिक स्वास्थ्य, योग, करियर गाइडेंस, भारतीय ज्ञान परम्परा, कौशल उन्नयन, आयुष और नवाचार से उद्यमिता तक की थीम पर लगाए गए स्टॉल्स का अवलोकन भी किया। विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा भी अपने स्टॉल लगाए गए थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जुबिन नौटियाल के साथ छात्रों पर पुष्प वर्षा कर उनका अभिवादन किया। रोबोट संग सीएम की कदमताल के अंतर्गत मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रोबोट बडी से हाथ मिलाया और उसके साथ वॉक भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज के पंजीकरण का शुभारंभ किया।

त्योहारी सीजन से पहले सड़क, सफाई और बिजली के मुद्दों पर कांग्रेस ने जनसुनवाई में बोला हल्ला

नर्मदापुरम (निप्र)। नवरात्रि त्यौहार सामने है, शहर की व्यवस्थाएं जस की तस हैं। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि शहर की समस्याओं को लेकर कई बार ज्ञापन सौंपने के बाद भी सुधार नहीं हो रहा है। थक-हार कर कांग्रेस कमेटी जनसुनवाई में कलेक्टर के सामने पहुंची और 7 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए इन समस्याओं का तुरंत निराकरण किया जाए।

ज्ञापन के प्रमुख मुद्दे

1. **सीवर लाइन से सड़कें क्षतिग्रस्त**
नगर में सीवर लाइन के काम से सभी सड़कें खुदी पड़ी हैं और रेस्टोरेशन का काम गुणवत्ताहीन है, जिससे नागरिकों को आवागमन में भारी असुविधा हो रही है।
2. **PDS घोटाले की जांच**
PDS वितरण में गड़बड़ी को लेकर नगर के सभी PDS दुकानों की जांच कराने की मांग की गई।
3. **33 वार्डों में बदहाली**
नगर पालिका के सभी 33 वार्डों में साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने और आवारा मवेशी - सुअर, कुत्ता, गायों का तत्काल निराकरण करने की मांग, पुरे शहर में धूल का गुबार उड़ते रहता है

- नवरात्रि में श्रद्धालुओं को भी परेशानी का सामना करना पड़े।
4. **ईदगाह ट्रेंचिंग ग्राउंड से बीमारी का खतरा**
ईदगाह ट्रेंचिंग ग्राउंड से लगे रहवास क्षेत्र में गंदगी और बदबू से बीमारी फैलने का खतरा बढ़ रहा है।
5. **रामलीला मैदान का अंधूरा काम**
रामलीला दशहरा मैदान में पेविंग ब्लॉक आधे क्षेत्र में लगाए गए हैं, बाकी बचे क्षेत्र में भी जल्द लगाने की मांग।
6. **लटकते बिजली के तार**
शहर में सड़कों के बीच जगह-जगह बिजली के तार झूल रहे हैं और नीचे लटके हैं, जो हादसे को न्योता दे रहे हैं।बड़ी दुर्गा प्रतिमाओं को भी इनके नीचे से निकलने मे कोई भी घटना हो सकती है
7. **वार्ड 6 में नाले पर फेंसिंग नहीं**
वार्ड नं. 6 स्थित बजरिया नाले में फेंसिंग/बेरिगेट लगाने के लिए कई बार शिकायत के बाद भी काम नहीं हुआ। यहां अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं और एक व्यक्ति की पूर्व में मौत भी हो चुकी है।पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेन्द्र तिवारी ने कहा की है कि इन जनसमस्याओं का नवरात्रि के पूर्व निराकरण आवश्यक है। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष नपा अनोखी राजोरिया पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेन्द्र तिवारी अजय सेनी संतोष तोमर सौरभ राय जीतेन्द्र गोरेले जागेश यादव सहित अन्य कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने प्रदेश में 7,8 और 9 अक्टूबर को विशेष कैंप लगाने के दिए निर्देश

बीएचईएल दशहरा मैदान में 14 विशेष ज़ोन में
नवीन न्याय संहिताओं की दी जा रही है जानकारी



भोपाल (ए.) के केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा अक्टूबर की भेल दशरथा मैदान में शुभारंभ की गई नवीन न्याय संहिता पर आधारित भव्य प्रदर्शनी में मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा आधुनिक पुलिस और न्याय प्रक्रिया को आमजन के लिए सरल एवं सहज तरीके से प्रस्तुत किया गया जा रहा है। प्रदर्शनी में अपराध की सूचना प्राप्त होने से लेकर पुलिस रिपोर्टिंग, घटनास्थल की जांच, वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन, फॉरेंसिक जांच, अभियोचन और न्यायालयीन प्रक्रिया तक की पूरी यात्रा को 14 विषयों में मांडल, डिजिटल तकनीक, वीडियो और सजीव नाट्य मंचन के माध्यम से समझाया जा रहा है। नागरिकों, विद्यार्थियों और अन्य आगंतुकों को पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा इस व्यवस्थित कार्यक्रमप्रणाली की जानकारी दी जा रही है। 07 अक्टूबर तक चलने वाले इस पांच दिवसीय प्रदर्शनी में प्रतिदिन सुबह 11:30 बजे, दोपहर 1:30 बजे, 3:30 बजे तथा शाम 5:00 बजेस्थानीय रंगकर्मियों, पुलिस अधिकारियों, डॉक्टरों एवं अभियोचन अधिकारियों द्वारा सजीव नाट्य प्रदर्शन किया जा रहा है। सजीव नाट्य मंचन के माध्यम से यह बताया गया है कि किसी घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस किस प्रकार कार्यवाही करती है और विभिन्न चरणों से गुजरते हुए मामला न्यायालय तक कैसे पहुंचता है। प्रदर्शनी में मध्यप्रदेश पुलिस की डायल-112 प्रदर्शनी प्रमुख आकर्षण बनी हुई है। इसमें आपातकालीन कॉल प्राप्त होने के बाद पुलिस टीम के घटनास्थल तक पहुंचने की पूरी प्रक्रिया को लाइव डेमो के माध्यम से प्रदर्शित किया जा रहा है।

भोपाल(नित्र)। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में एडीएम सुमित पांडेय ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएँ सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निवारण मौके पर ही किया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 154 आवेदन प्राप्त हुए। इस मौके पर एसडीएम एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उद्घोषणा श्री पांडेय ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक के धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शोष निवारण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

भोपाल (आरएनएस)। कर्मयोगी भारत द्वारा नागरिक केन्द्रित शासन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से 'सेवा भाव' विषय पर 7 अक्टूबर 2026 को विशेष ऑनलाइन सत्र आयोजित किया जाएगा। सत्र का संचालन नीति आयोग के सदस्य डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम करेंगे। सत्र में शासकीय सेवकों में संवेदनशीलता, जवाबदेही और नागरिक केन्द्रित दृष्टिकोण को सुदृढ़ करने के साथ लोक सेवा प्रदाय में 'सेवा भाव' की भावना विकसित करने पर विशेष रूप से चर्चा की जाएगी सामान्य प्रशासन विभाग ने प्रदेश के सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव, विभागाध्यक्ष, संभागायुक्त और कलेक्टरों को इस संबंध में निर्देश जारी कर अधीनस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों को ऑनलाइन सत्र में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने को कहा है। विशेष ऑनलाइन सत्र 7 अक्टूबर को सुबह 11 बजे दोपहर 12 बजे तक आयोजित होगा। सीधा प्रसारण iGOT Kar-mayogi प्लेटफॉर्म के माध्यम से किया जाएगा।

विधायक ने कहा कि कब्रिस्तान की जमीन पर बिना अनुमति किसी तरह का निर्माण या खुदाई नहीं होनी चाहिए। उनका कहना है कि इस कब्रिस्तान में उनके पूर्वजों समेत कई लोगों की कब्रें हैं। ऐसे में इसके नीचे से मेट्रो की सुरंग निकालने पर उनकी आपत्ति है।

मेट्रो के प्रस्तावित रूट को लेकर मध्य प्रदेश राज्य वक्फ अधिकरण में पहले से सुनवाई चल रही है। दोनों पक्ष अपना पक्ष रख रहे हैं। विधायक का कहना है कि जब तक मामले में वैधानिक स्थिति साफ नहीं होती और जरूरी अनुमति नहीं मिलती, तब तक कब्रिस्तान की जमीन पर काम नहीं किया जाना चाहिए।

अर्रिंज लाइन के दूसरे चरण में सुभाष नगर से करोंद तक 16.74 किलोमीटर का मेट्रो कॉरिडोर बनाया जा रहा है। इसमें करीब 5.38 किलोमीटर एलिवेटेड और 3.39 किलोमीटर अंडरग्राउंड हिस्सा है। अंडरग्राउंड हिस्से में भोपाल रेलवे स्टेशन और नादरा बस स्टैंड स्टेशन प्रस्तावित हैं। शाही काब्रिस्तान से जुड़ा विवाद इसी अंडरग्राउंड रूट को लेकर है।

ऑपरेशन मुस्कान से बाल सुरक्षा और महिला हेल्प डेस्क तक-विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता



भोपाल (आरएनएस) । नवीन न्याय संहिताओं के प्रावधानों और अपराध की सूचना से लेकर न्यायालय के अंतिम निर्णय तक की पूरी प्रक्रिया को आयोजन के लिए सरल, रोचक और व्यावहारिक रूप में समझाने के उद्देश्य से बीएफ़ईएल दशहारा मैदान में आयोजित प्रदर्शनी में वैज्ञानिक अनुसंधान एवं फॉरेंसिक जांच के महत्वपूर्ण पहलुओं का सजीव नाट्य मंचन किया गया। प्रदर्शनी में वह दिखाया गया कि किसी अपराध के बाद पुलिस द्वारा लेक्तास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र करने से घटनास्थल पर फॉरेंसिक प्रयोगशाला में परीक्षण, रिपोर्ट तैयार करने और आगे का कानूनी कार्रवाई तक विभिन्न विशेषज्ञ एवं इकाइयाँ किस प्रकार समन्वय के साथ कार्य करती हैं।

प्रदर्शनी में फॉरेंसिक जांच की पूरी प्रक्रिया को अपराध स्थल से प्रयोगशाला तक चरणबद्ध रूप से

प्रस्तुत किया गया। मध्यप्रदेश में विकसित फॉरेंसिक जांच व्यवस्था के अंतर्गत सभी जिलों में उपलब्ध Mobile Forensic Units की भूमिका को भी प्रदर्शित किया गया। प्रशिक्षित फॉरेंसिक विशेषज्ञ अपराध स्थल पर पहुंचकर वैज्ञानिक साक्ष्यों का collection, documentation, प्रकाश कर रहे हैं, इसे सजीव प्रस्तुति के माध्यम से समझाया गया। प्रदर्शनी में यह भी बताया गया कि BNS की धारा 176(3) के प्राधान्यों के अंतर्गत निर्धारित गंभीर अपराधों में crime scene e&amination तथा photography/videography का विशेष महत्व है। अपराध स्थल पर उपलब्ध साक्ष्यों को वैज्ञानिक तरीके से सुरक्षित करना और उनका दस्तावेजीकरण आगे की जांच एवं न्यायिक प्रक्रिया को मजबूत आधार प्रदान करता है।

बाल विवाह रोकथाम के लिए 35 हजार से अधिक बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी तैनात



भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश में बाल विवाह की रोकथाम को प्रभावी बनाने के लिए 35 हजार से अधिक बाल विवाह प्रतिष्ठान (अधिकारियों (CMPOs) का व्यापक मैदानी तंत्र तैयार किया गया है। अब बाल विवाह के हॉस्पिट क्षेत्रों की पहचान कर स्थानीय परिस्थितियों और उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर लक्षित कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन अकादमी में आयोजित एक दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला में बाल विवाह रोकथाम की रणनीति, कानून के प्रभावी क्रियान्वहन और विभिन्न विभागों के समन्वय पर मंथन हुआ। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा है कि बाल विवाह मुक्त मध्यप्रदेश की परिकल्पना को साकार करने के लिए प्रशासन, प्रशासन और समाज को मिलकर प्रभावी एवं समन्वित प्रयास करने होंगे। बाल विवाह केवल एक सामाजिक कुरीति नहीं, बल्कि बालिकाओं के शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन के अधिकार का गंभीर उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह की रोकथाम के लिए तैनात बाल विवाह प्रतिष्ठे अधिकारी (CMPO)

एचटीएलएस कंडक्टर से क्षमता

उत्तरायन : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

भोपाल (आरएनएस) । ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि ग्वालियर शहर और असापास के क्षेत्रों में बढ़ती विद्युत मांग तथा ट्रांसमिशन नेटवर्क पर बढ़ते पावर फ्लो को देखते हुए मध्यप्रदेश सरकार ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांस) ने ग्वालियर के महत्वपूर्ण 132 केवी पारेषण नेटवर्क की क्षमता बढ़ाने का कार्य शुरू कर दिया है। इसके तहत मौजूदा ट्रांसमिशन लाइनों में लगे एसएसएसआर पैथर कंडक्टरों को अत्याधुनिक हाई टेम्परेचर लो सैंग (एचटीएलएस) कंडक्टरों से बदला जा रहा है। कार्य पूर्ण होने पर इन लाइनों की विद्युत पारेषण क्षमता करीब तीन गुना तक बढ़ सकेगी। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि परियोजना के अंतर्गत 220 केवी महलगांव सबस्टेशन से जुड़े 132 केवी डीसीडीएस महलगांव-तिफरा तथा महलगांव-मोतीझील-सिद्धा में कंडक्टर बदलने का कार्य शुरू हो गया है।

A group of water buffaloes, including adults and a young calf, standing in a field. The buffaloes have dark, wet-looking skin and large, curved horns. One adult buffalo in the foreground is looking directly at the camera, while a small calf stands next to it. Other buffaloes are visible in the background.

भोपाल (आएनएस)। भोपाल नगर निगम के लिए 44 भैंसें अब डड़ा खोर और पशुशाना का कारण बन गई हैं। अवंतलिया स्थित नगर निगम के कांजी हाउस में रखी इन भैंसों के चारे पर पिछले करीब 10 महीने में 6 लाख रुपये में ज्यादा खर्च हो चुके हैं। मामला अदालत में लंबित होने के कारण निगम इनकी नीलामी भी नहीं कर पा रहा है। अब निगम इन भैंसों को बचाने के लिए इन्फेक्शन प्रोटेक्शन के लिए अधिकारियों से अनुमति मांगी है। इसके बाद इन्फेक्शन प्रोटेक्शन के लिए भोजन के भैंसों को वापस लेने का अनुरोध किया जाएगा। साथ ही अब तक इनके बारे में और देखभाल पर हुए खर्च की पूरी जानकारी भी पुलिस को दी जाएगी। नगर निगम के अधिकारियों के मुताबिक, इन्फेक्शन प्रोटेक्शन ने जनवरी 2026 से अब तक 49 भैंसों को अवैध तरीके से

ट्रकों में ले जाते हुए पकड़ा था। पुलिस ने पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत कारवाई करते हुए ट्रक और भैंसों को जब्त किया था। मामला व न्यायाधीशों ने पेशा होने के बाद ट्रक तो छोड़ दिया गया, लेकिन भैंसों नगर निगम कांजी हाउस में ही रखी रहीं। मामला अगलताल में लंबित होने के कारण इन्फोर्ट्स के देवभाल और चारे की जिम्मेदारी नगर निगम पर आ गई। निगम रिचर्ड को अनुसार, इस दौरान भैंसों के चारे पर 16 लाख रुपये से अधिक खर्च हो चुके हैं।

9 भैंसों की मौत, 4 बछड़े भी हुए

कांजी हाउस में रखी 49 बैथों में से अब तक 9 का मौत हो चुकी जबकि इस दौरान 4 बछड़ों का जन्म भी हुआ। किसी बैथ का मौत होने गोवंध प्रोजेक्ट के इच्छेदी पुलिस को सूचना देनी पड़ती है। पुलिस अनुमति के बाद ही पोस्टमार्टम को प्रक्रिया पूरी होती है। अधिकारियों मुताबिक, हाल ही में करीब 45 दिनों के भीतर चार बैथों का मौत हुआ इससे कांजी हाउस में इतनी बड़ी संख्या में पशुओं को लंबे समय तक रखें और उनकी देखभाल को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

नीलामी की कोशिश भी नहीं हो सकी

नगर निगम ने पहले इन भैंसों की नीलामी के जरिए उनके रखरखाव पर हुए खर्च की भरपाई करने का प्रयास किया था। इसके लिए इटखे पुलिस से दो बार अनुमति मांगी गई, लेकिन कोर्ट में मामला लंबित हो कर हवाला देकर अनुमति नहीं दी गई। अब निगम के सामने भैंसों को तत्काल समय तक रखने और लगातार बढ़ रहे चारे के खर्च की चुनौती है। ऐसे में गोवर्धन प्रोजेक्ट अब पुलिस को भैंसें वापस सौंपने की तैयारी कर रहा है।

उज्जैन-इंदौर मार्ग पर हादसा:

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के बैनर वाली बस में आग, यात्रियों ने कूदकर बचाई जान

उज्जैन (आरएनएस.)। उज्जैन के रामवास क्षेत्र में मंगलवार को टायर फटने के बाद उज्जैन-इंदौर जा रही बस में भीषण आग लग गई। बस में करीब 12 यात्री सवार थे, जिन्होंने समय रहते



एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। दोपहर को उज्जैन से इंदौर जा रही एक बस का अचानक टायर फट गया, जिससे बस अनियंत्रित हो गई और देखते ही देखते उसमें भीषण आग लग गई। हादसे के समय बस में करीब 12 यात्री सवार थे। बस से धुआं उठता देख यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और उन्होंने समय रहते बस से कूदकर अपनी जान बचाई। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।घटना की सूचना मिलने के करीब 45 मिनट बाद फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। फायर फाइटर्स ने कड़ी मशक़त के बाद लगभग डेढ़ घंटे में आग पर पूरी तरह काबू पाया। हालांकि, तब तक पूरी बस जलकर खाक हो चुकी थी और केवल उसका लोहे का चैचिस ही शेष बचा। जली हुई बस पर भगवा रंग का रेडियम चढ़ा हुआ था और उसके कांच पर स्पष्ट रूप से मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा लिखा हुआ था। इसके बावजूद बस के स्वामित्व को लेकर स्थिति विरोधाभासी नज़र आ रही है। जिम्मेदारों के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त बस मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा का हिस्सा नहीं थी, बल्कि यह किसी प्राइवेट ऑपरेटर की पुरानी डील बस थी।

ग्वालियर में 20 रुपये के मोमोज को लेकर विवाद ठेला संचालक ने छात्र पर फेंका खौलता तेल; चेहरा-कान झुलसे

ग्वालियर (आरएनएस.)। महज 20 रुपये के मोमोज को लेकर हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि एक 18 वर्षीय छात्र गंभीर रूप से झुलस गया। आरोप है कि मोमोज की मात्रा कम होने पर सवाल पूछने से नाराज ठेला संचालक ने कढ़ाई में रखा खौलता हुआ तेल छात्र के ऊपर फेंक दिया। गर्म तेल की चपेट में आने से छात्र का चेहरा और कान बुरी तरह झुलस गए। घटना के बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

कम मोमोज देने पर छात्र ने पूछा सवाल

घटना हजीरा थाना क्षेत्र के पुरानी रेशम मिल चौराहे की बताई जा रही है। न्यू रेशम मिल के प्रगति नगर निवासी 18 वर्षीय शिवा उर्फ चेतन भदौरिया छात्र हैं। रविवार शाम वह अपने दोस्त गोलू खान और विकास राजपूत के साथ जिम जाने के लिए घर से निकला था। रास्ते में तीनों पुरानी रेशम



मिल चौराहे पर स्थित 'अंकित मोमोज' के ठेले पर रुक गए। बताया गया है कि शिवा ने 20 रुपये के मोमोज खरीदे थे। प्लेट में मोमोज की मात्रा कम नज़र आने पर उसने ठेला संचालक अंकित से पूछा कि इतने कम मोमोज क्यों दिए गए

उज्जैन(आरएनएस.)। मध्य प्रदेश के देवास से लगभग 12 किलोमीटर दूर इंदौर रोड पर स्थित शिप्रा नदी को 'मोक्षदायिनी' माना जाता है यानी वह नदी जो मोक्ष दिलाती है। अमावस्या के पास आते ही हजारों श्रद्धालुओं के पवित्र डुबकी लगाने और अपने पूर्वजों के लिए तर्पण करने की उम्मीद है, जिसके बाद वे देवी दुर्गा की प्राण-प्रतिष्ठा के लिए घर लौटेंगे। फिर भी, जो नदी श्रद्धालुओं को पवित्र करती है। वह अब खुद ही शुद्धिकरण के लिए गुहार लगाती हुई दिख रही है। शिप्रा नदी के घाटों पर इतनी गंदगी है कि यहां पांच मिनट खड़ा होना भी मुश्किल हो जाता है। घाटों के आसपास गंदगी के साथ-साथ दुर्गंध भी फैली हुई है।

शिप्रा के घाटों पर फैली गंदगी से लोग परेशान

घाटों का नजारा बहुत परेशान करने वाला है। जमा हुआ कचरा, बदबू और साफ तौर पर प्रदूषित पानी की वजह से वहां पांच मिनट भी खड़े रहना मुश्किल हो जाता है। पूजा-पाठ के लिए आने वाले श्रद्धालुओं का कहना है कि खुले नालों का गंदा पानी सीधे शिप्रा में गिर रहा है, जबकि किनारों पर गंदगी फैली हुई है और पानी में तैर रही है। कई लोगों के मन में यह दुखद सवाल है- ऐसे हालात में



पूर्वजों को पवित्र चीजें कैसे अर्पित की जा सकती हैं?

शिप्रा नदी की सफाई पर उठे सवाल

नदी के किनारे दूसरी जगहों पर भी ऐसी ही चिंताएं जताई गई हैं। हाल ही में श्राद्ध पक्ष के दौरान आई रिपोर्टों में उज्जैन के सिद्धवट घाट पर पानी को

उत्सव के बाद नदी की सफाई की गई थी और आने वाले त्योहारों से पहले एक और सफाई अभियान चलाया जाएगा, लेकिन उस जगह की तस्वीरें कुछ और ही कहानी बयां करती हैं। अगर सच में सफाई हुई थी तो घाटों से अब भी कचरे की बदबू क्यों आ रही है? नदी में सीवेज का पानी क्यों गिर रहा है?

शिप्रा नदी के घाटों की बदहाल की वजह

त्योहार से पहले सफाई करना कोई सामाधान नहीं है। यह बस कुछ समय के लिए समस्या को छिपाने जैसा है। असल ज़रूरत है लगातार गंद निकालने की, नालियों का पानी नदी में गिरने से सख्ती से रोकने की, घाटों पर कचरा इकट्ठा करने की और स्थानीय निकायों की जवाबदेही तय करने की। अधिकारियों ने माना है कि शिप्रा को प्रदूषण-मुक्त रखना एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि प्रदूषित नालियां और ऊपर की तरफ से आने वाला पानी इस समस्या को और बढ़ाते हैं। जैसे-जैसे अमावस्या पास आ रही है। श्रद्धालु आस्था के साथ वहां पहुंचेंगे। प्रशासन को यह पक्का करना होगा कि उन्हें साफ-सुथरे घाट और सम्मानजनक माहौल मिले न कि ऐसी पवित्र नदी जो गंदगी के बीच खुद की मुक्ति के लिए संघर्ष कर रही हो।

बेटे की चाह में मां ने एक दिन की नवजात बेटी का गला घोंटा, अस्पताल के बिस्तर पर की ये हैवानियत



अशोकनगर (आरएनएस.)। अशोकनगर जिला अस्पताल

में एक दिन की नवजात बच्ची की गला दबाकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। नवजात की मां ने ही बेटे की चाह में अपनी मासूम बच्ची की जान ले ली। पुलिस पूछताछ के दौरान महिला ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। चंदेरी क्षेत्र के सरकारी गांव की निवासी भावना पत्नी केंदार विश्वकर्मा ने शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब 11 बजे जिला अस्पताल में एक बच्ची को जन्म दिया था। जन्म के अगले

दिन अस्पताल के बिस्तर पर ही उसने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। पुलिस अधीक्षक ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता में मामले की जानकारी दी।घटना के समय अस्पताल के बेड पर महिला की सास सो रही थी। नवजात बच्ची अपनी मां के पास ही कंबल में सो रही थी। उसी दौरान महिला ने बच्ची का दो से तीन मिनट तक हाथ से गला दबाए रखा। जब उसे लगा कि बच्ची की मौत हो गई है, तब उसने गला छोड़ दिया। इस घटना के लगभग आधे घंटे बाद बच्ची के मुंह से खून निकलता दिखा। इसके बाद महिला ने तुरंत अपनी सास को इसकी जानकारी दी। सास बच्ची को लेकर डॉक्टर के पास पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

त्यापार समाचार

ElonMusk का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड, 1 दिन में कमाए 6.26 लाख करोड़ रुपए, 3 महीने में दूसरी बार बने खरबपति



वापस हासिल कर ली है, बल्कि फिर से खरबपति का ताज पहन लिया है। मौजूदा साल में एलन मस्क की कमाई की रफ्तार ने दुनिया भर के अर्थशास्त्रियों को हैरान कर दिया है। साल 2026 में अब तक मस्क की कुल संपत्ति में 589 बिलियन डॉलर (120 फीसदी) का जबर्दस्त इजाफा दर्ज किया जा चुका है। मस्क की सिर्फ इस साल की कमाई का पैमाना कितना विशाल है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि

मौसम की मार से छोटी इलायची में उबाल- 3 हफ्ते में 300 उछले भाव, जगरतन 4400 प्रति किलो पर पहुंचा

जयपुर (ए.)। उत्पादक क्षेत्रों में प्रतिकूल मौसम और सूखे के चलते छोटी इलायची की फसल को बड़ा नुकसान पहुंचा है, जिसका सीधा असर अब थोक व खुदरा बाजार की कीमतों पर दिखने लगा है। आपूर्ति संकट गहराने से बीते महज तीन हफ्तों के भीतर छोटी इलायची की कीमतों में करीब 300 रुपए प्रति किलो का जोरदार उछाल दर्ज किया गया है।

स्थानीय किराना एवं ड्राई फ्रूट मार्केट में प्रीमियम क्वालिटी जगरतन ब्रांड छोटी इलायची (8.5 एमएम) के भाव 4300 से 4400 रुपए प्रति किलो के मजबूत स्तर पर बोले जा रहे हैं। व्यापारिक जानकारों के मुताबिक, प्रमुख इलायची उत्पादक क्षेत्रों में मानसून की बेरुखी और सूखे के कारण पौधों में पर्याप्त फलियां विकसित नहीं हो सकीं। इस वजह से चालू सीजन में कुल उत्पादन में भारी गिरावट का अनुमान लगाया गया है।

हालांकि, नीलामी केंद्रों पर नई इलायची की आवक 15 अगस्त से शुरू हो चुकी है, लेकिन मांग के मुकाबले आपूर्ति बेहद सीमित बनी हुई है। नीलामी केंद्रों पर नई खेप पहुंचते ही हाथों-हाथ बिक रही है। त्योहारी सीजन के चलते घरेलू खपत और वैश्विक स्तर पर निर्यात मांग में तेज इजाफा हुआ है, जबकि मॉडियों में आवक सामान्य के मुकाबले घटकर आधी रह गई है। वैश्विक मोर्चे पर भी राहत के संकेत नहीं हैं।

दुनिया के प्रमुख इलायची उत्पादक देश ग्वाटेमाला से भी इस वर्ष कम पैदावार की खबरें सामने आ रही हैं, जहां नई फसल की आवक जनवरी में शुरू होती है। मांग और आपूर्ति के बीच बढ़ते इस असंतुलन को देखते हुए बाजार विश्लेषक आने वाले दिनों में इलायची की कीमतों में और तेजी की संभावना जता रहे हैं।

भारत में सितंबर में ऑटो रिटेल बिक्री 31.8 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 25 लाख इकाई के पार : फाडा

नई दिल्ली (ए.)। त्योहारी मांग और कम आधार के चलते सितंबर में घरेलू ऑटोमोबाइल रिटेल बिक्री सालाना आधार पर 31.82 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 25,36,920 इकाई हो गई। यह जानकारी उद्योग संगठन फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों में दी गई।

आंकड़ों के अनुसार, अगस्त की तुलना में सितंबर में रिटेल बिक्री 4.69 प्रतिशत बढ़ी। हालांकि, सितंबर उद्योग के लिए अब तक का सबसे अच्छा महीना रहा।

फाडा ने कहा कि सालाना आधार पर हुई इस तेज वृद्धि को कम आधार के नजरिए से देखा जाना चाहिए, क्योंकि सितंबर 2025 में जीएसटी 2.0 लागू होने से पहले खरीदारी टालने के कारण बिक्री प्रभावित हुई थी। इसके अलावा, छह में से पांच वाहन श्रेणियों में उद्योग ने अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन दर्ज किया। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में भी रिटेल बिक्री रिकॉर्ड 1,55,12,319 इकाई रही, जो सालाना आधार पर 20.77 प्रतिशत अधिक है।

श्रेणीवार देखें तो दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 33.08 प्रतिशत बढ़कर 17,90,188 इकाई हो गई, जबकि यात्री वाहनों की बिक्री 32.10 प्रतिशत बढ़कर 4,27,213 इकाई रही।

वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 37.62 प्रतिशत बढ़कर 1,03,557 इकाई हो गई। सितंबर में पहली बार इस सेगमेंट की बिक्री एक लाख इकाई के आंकड़े को पार कर गई। तिपहिया वाहनों की बिक्री 22.25 प्रतिशत बढ़कर 1,32,570 इकाई रही, जबकि ट्रैक्टरों की बिक्री 13.75 प्रतिशत बढ़कर 76,906 इकाई हो गई।निर्माण उपकरणों की बिक्री 38 प्रतिशत बढ़कर 6,486 इकाई हो गई।फाडा के अध्यक्ष साई गिरिधर ने कहा, सितंबर 2026 भारतीय ऑटो रिटेल के इतिहास का सबसे अच्छा सितंबर रहा। उन्होंने कहा कि अधिक महत्वपूर्ण संकेतकों में पहली छमाही की रिकॉर्ड बिक्री, महीने-दर-महीने 4.69 प्रतिशत की वृद्धि और वित्त वर्ष 2026-27 के पहले पांच महीनों में लगभग 17 प्रतिशत की वृद्धि शामिल है। इसमें सितंबर की असामान्य तुलना को शामिल नहीं किया गया है।



नई दिल्ली(ए.)। भारत में त्योहारी सीजन की शुरुआत के साथ ही ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर खरीदारी, भारी डिस्काउंट और यूपीआई (UPI) ट्रांजेक्शन की बाढ़ आ गई है। मोबाइल पर लगातार कैशबैक, भारी छूट, रिफंड और लकी ड्रांस से जुड़े मौसैज आ रहे हैं। डिजिटल गतिविधियों में आई इसी भारी तेजी को धुनाने के लिए साइबर ठगों का संगठित गिरोह भी बेहद सक्रिय हो गया है। हाल ही में आई क्विक हील (Quick Heal) की 'इंडिया साइबर थ्रेट रिपोर्ट' के मुताबिक, देश भर में करोड़ों एंडर्पाइंट्स पर करोड़ों मालवेयर अटैक दर्ज किए गए हैं, यानी हर मिनट औसतन 700 से अधिक साइबर हमलों की कोशिशें हो रही हैं। यव्यस्ता और जल्दबाजी के माहौल में थोड़ी सी भी असावधानी बैंक खाता खाली करवा सकती है। ऐसे में त्योहारों के दौरान डिजिटल लेन-देन करते समय कुछ बुनियादी सुरक्षा नियमों का पालन करना बेहद ज़रूरी है।

लुभावने ऑफर्स और डिस्काउंट लिंक्स पर तुरंत क्लिक करने से बचें

फेस्टिव सीजन में व्हाट्सएप, एसएमएस, ईमेल और सोशल

मीडिया प्लेटफॉर्म पर 'सिर्फ आज के लिए छूट', 'सीमित समय का कैशबैक' या 'तुरंत रिवॉर्ड क्लेम करें' जैसे झांसे वाले संदेशों की भरमार रहती है। जालसाज ऐसे टेक्स्ट भेजकर यूजर्स को बिना सोचे-समझे लिंक पर क्लिक करने के लिए उकसाते हैं। किसी भी अनजान लिंक को खोलने से पहले उसका यूआरएल (ऋ) ध्यान से जांचें। साइबर ठग हूबहू बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों जैसी दिखने वाली क्लोन वेबसाइट बना लेते हैं। इसलिए किसी मौसैज में आए अनजान लिंक के जरिए खरीदारी करने के बजाय सीधे अधिकारिक ऐप या ब्राउजर में सही वेबसाइट खुद टाइप करके ही सेल और ऑफर्स का लाभ उठाएं।ऑनलाइन खरीदारी के साथ यूपीआई के जरिए लेन-देन काफी बढ़ जाता है और ठग इसी का फायदा उठाते हैं। कई मामलों में जालसाज किसी ऑर्डर के रिफंड, कैशबैक या इनाम का झांसा देकर पीड़ित को 'कलेक्ट रिक्लेस्ट' भेजते हैं या क्यूआर कोड स्कैन करने को कहते हैं। यह बात गांठ बांध लें कि किसी भी माध्यम से पैसे प्राप्त करने (रिसीव करने) के लिए कभी भी यूपीआई पिन दर्ज करने की आवश्यकता नहीं होती। किसी भी पेमेंट को अप्रुव करने से पहले स्क्रीन पर दिखने वाले प्राप्तकर्ता का नाम और रकम की पुष्टि अवश्य करें। जरा सा भी संदेह होने पर लेन-देन रोक दें। त्योहारों पर ऑर्डर्स की संख्या अधिक होने के कारण कई बार डिलीवरी में देरी या तकनीकी अड़चन आती हैं। ठग इसी बात की आड़ लेकर फर्जी ट्रैकिंग लिंक भेजते हैं, जिसमें दावा किया जाता है कि पार्सल अटक गया है या एट्रसे अपडेट करना होगा। ऐसे लिंक पर क्लिक करते ही फोन में मेलवेयर डाउनलोड हो जाता है या संवेदनशील बैंकिंग डेटा चोरी हो जाता है। इसके अलावा, गूगल पर कस्टमर केयर नंबर सर्च करते समय भी अत्यधिक सावधानी बरतें। हमेशा संबंधित कंपनी के अधिकृत ऐप के हेल्प/सपोर्ट सेक्शन में जाकर ही सहायता प्राप्त करें और किसी के कहने पर 'एनीडेस्क' या 'टीमव्यूअर' जैसे रिमोट एक्सेस ऐप बिचकुल इंस्टॉल न करें।

दुनिया के दूसरे और तीसरे सबसे अमीर शख्स— लैरी पेज और जेफ बेजोस की कुल नेटवर्थ को भी जोड़ दिया जाए, तो वह लगभग 571 बिलियन डॉलर बैठती है। यानी मस्क ने अकेले इस साल जितना कमाया है, वह इन दोनों दिग्गजों की पूरी जिंदगी की कुल पूंजी से भी अधिक है।

स्पेसएक्स और टेस्ला के शेयरों में बंपर उछाल, 98ल दौलत इन्हीं दो कंपनियों से

ब्लूमबर्ग वेल्थ इंडेक्स के मुताबिक, मस्क की 98 फीसदी से अधिक दौलत स्पेसएक्स और टेस्ला में उनकी हिस्सेदारी पर निर्भर करती है। सोमवार को स्पेसएक्स के शेयरों में 7.63 प्रतिशत और टेस्ला के शेयरों में 2.20 प्रतिशत की जबर्दस्त तेजी देखने को मिली। अकेले अक्टूबर के चंद दिनों में ही स्पेसएक्स 13.4 फीसदी और टेस्ला 7.64 फीसदी उछल चुके हैं। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टैनली के विश्लेषकों द्वारा स्पेसएक्स को स्पेस और इंटेलिजेंस सेक्टर की संभावनाओं को धुनाने का सबसे किफायती जरिया बताए जाने के बाद निवेशकों का भरोसा चरम पर पहुंच गया। वहीं, टेस्ला द्वारा तीसरी तिमाही में उम्मीद से बेहतर बिक्री आंकड़े पेश किए जाने से भी मस्क की कंपनियों के शेयरों को जबरदस्त रफ्तार मिली है।

आईपीओ से पहले एनारॉक का ऑपरेटिंग केश फ्लो हुआ निगेटिव : डीआरएचपी

मुंबई (ए.)। शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की तैयारी कर रही रियल एस्टेट कंसल्टेंसी कंपनी एनारॉक प्रॉपर्टी कंसल्टेंट्स ने वित्त वर्ष 2025-26 में आय और मुनाफे में मजबूत वृद्धि दर्ज की है। हालांकि, कंपनी का ऑपरेटिंग केश फ्लो निगेटिव हो गया है, जो उसके प्रस्तावित 1,000 करोड़ रुपए के आईपीओ से पहले निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। कंपनी द्वारा दाखिल किए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में यह जानकारी सामने आई है।

डीआरएचपी के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में एनारॉक का शुद्ध लाभ (नेट प्रॉफिट) बढ़कर 93.22 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में 60.78 करोड़ रुपए था। वहीं, परिचालन से राजस्व (रेवेन्यू) 33.83 प्रतिशत बढ़कर 881.90 करोड़ रुपए पहुंच गया, जो एक वर्ष पहले 658.95 करोड़ रुपए था।

पिछले तीन वर्षों के दौरान कंपनी की आय और मुनाफे में लगातार वृद्धि देखी गई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का राजस्व 509.23 करोड़ रुपए और शुद्ध लाभ 44.94 करोड़ रुपए था। इससे संकेत मिलता है कि कंपनी ने अपने कारोबारी विस्तार और सेवाओं की विविधता के दम पर लगातार विकास दर्ज किया है।

हालांकि मजबूत वित्तीय प्रदर्शन के बावजूद कंपनी के ऑपरेटिंग केश फ्लो में उल्लेखनीय गिरावट आई। वित्त वर्ष 2025-26 में यह 12.07 करोड़ रुपए का आउटफ्लो रहा, जबकि एक वर्ष पहले कंपनी ने परिचालन गतिविधियों से लगभग 93 करोड़ रुपए का सकात्मक नकदी प्रवाह दर्ज किया था। डीआरएचपी के मुताबिक, इसका प्रमुख कारण ट्रेड रिसीवेबल्स में तेज वृद्धि रही। कंपनी के ग्राहकों से मिलने वाली बकाया राशि बढ़कर 464.21 करोड़ रुपए हो गई, जो पिछले वर्ष लगभग 316 करोड़ रुपए थी।ट्रेड रिसीवेबल्स उन भुगतानों को दर्शाती हैं, जो कंपनी द्वारा सेवाएं प्रदान करने और राजस्व दर्ज करने के बावजूद ग्राहकों से अभी प्राप्त नहीं हुए हैं।





सेवा की कहानी : नोनी सुरक्षा योजना से खिरमेन को बच्चों के भविष्य का मिला भरोसा

सेवा संकल्प अभियान के तहत ‘सेवा की कहानी’ में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से परिवारों को मिल रहे सामाजिक एवं आर्थिक संबल की तस्वीर सामने आ रही है। सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत कचकालो निवासी श्रीमती खिरमेन यादव के लिए नोनी सुरक्षा योजना बच्चों के भविष्य को लेकर आर्थिक सुरक्षा का भरोसा आई है। योजना की जानकारी उन्हें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के माध्यम से मिली। जानकारी मिलने के बाद उन्होंने आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर योजना के लिए आवेदन किया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की जानकारी से योजना तक पहुंच आसान हुई खिरमेन यादव बताती हैं कि पहले उन्हें नोनी सुरक्षा योजना के बारे में जानकारी नहीं थी। आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यकर्ता ने उन्हें योजना के प्रावधानों, मिलने वाले लाभ और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी। कार्यकर्ता के मार्गदर्शन से उन्होंने आवश्यक फॉर्म भरकर योजना के लिए आवेदन किया। समय पर मिली जानकारी उनके लिए शासन की योजना तक पहुंचने का माध्यम बनी।

बच्चों के भविष्य को लेकर अब मिला आर्थिक सुरक्षा का भरोसा योजना से जुड़ने के बाद खिरमेन को अपने बच्चों के भविष्य से जुड़ी जरूरतों को लेकर भरोसा मिला है। उनका कहना है कि आने वाले समय में योजना के माध्यम से मिलने वाली आर्थिक सहायता बच्चों की आवश्यकताओं को पूरा करने और परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने में सहायक होगी। इससे बच्चों के भविष्य को लेकर उनकी चिंता पहले की तुलना में कम हुई है।

खिरमेन यादव कहती हैं कि आंगनबाड़ी दीदी से नोनी सुरक्षा योजना की जानकारी मिली। इसके बाद फॉर्म भरकर योजना के लिए आवेदन किया। अब भरोसा है कि भविष्य में मिलने वाली सहायता बच्चों के काम आएगी।

योजना की जानकारी से परिवारों तक पहुंच रहा लाभ आंगनबाड़ी केंद्र महिलाओं और बच्चों को पोषण एवं अन्य सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ पात्र परिवारों तक शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। खिरमेन यादव की कहानी बताती है कि सही समय पर मिली जानकारी परिवारों को योजनाओं से जोड़ने और भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा का भरोसा देने में महत्वपूर्ण कड़ी बन सकती है।



मे़ष राशि: आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। अचानक धन लाभ होने के योग हैं। मित्र और सहकर्मी आज आपके प्रयासों में आपका सहयोग करेंगे। आपको अपने कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी। आज आपको यात्राएं लाभदायक सिद्ध होंगी।

वृष राशि: आज आपका दिन अच्छा गुजरेगा। शिक्षक आज किसी मीटिंग में शामिल होंगे। आज बड़ों से कुछ नया सीखने को मिलेगा, जो आगे चलकर आपके काम आएगा। वर्क फ्रॉम होम कर रही महिलाओं का काम अच्छा चलेगा। आज आपके आय-व्यय में समानता बनी रहेगी।

मिथुन राशि: आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज बेटी के करियर को लेकर किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे। आपको आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज के दिन आप कुछ नया करने की कोशिश कर सकते हैं आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। आज किया गया उचित निवेश भविष्य में बहुत लाभ देगा। नया घर लेने का मन बना रहे हैं तो आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

कर्क राशि: आज का दिन कार्य क्षेत्र में अच्छा लाभ दिलाने वाला है। संतान की चिंता कम होगी, अच्छी जाँब लगाने से घर में उत्सव सा माहौल बना रहेगा। नया वाहन खरीदने की उत्सुकता आपके मन में रहेगी। आयात-निर्यात का काम कर रहे लोगों को सफलता मिलेगी। आज आपको उधार लेनेदेने से बचना चाहिए।

सिंह राशि: आज आपका दिन आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आएगा। किसानों को अपने श्रम का अच्छा लाभ मिलेगा। आपका स्वास्थ्य रोज की अपेक्षा अच्छा रहने वाला है। पारिवारिक परिस्थितियों में पहले से बेहतर सुधार आएगा।

कन्या राशि:आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। विद्यार्थियों को करियर का चुनाव के लिए अच्छे अवसर मिलेंगे। आज आप किसी काम में पूरी तरह व्यस्त रहेंगे। आज आपको प्रापटी खरीदने से लाभ मिलेगा। आज लिए गए व्यावसायिक निर्णय भविष्य में लाभकारी सिद्ध होंगे। शाम का समय अपने परिवार वालों के साथ बिताएँगे। अपने काम को किसी नए तरीके से करने की कोशिश करेंगे।

नेक्स्ट-जेनरेशन जीएसटी और भारत के विकास का अगला चरण

श्रीमती निर्मला सीतारमण विकसित भारत बनने के भारत के संकल्प के लिए एक ऐसी अर्थव्यवस्था की आवश्यकता है जिसमें हर स्तर और आकार के उद्यम फल-फूल सकें, चाहे उनकी शुरुआत कहाँ से भी हुई हो। पिछले बारह वर्षों में हमारी सरकार ने इन अनुकूल परिस्थितियों के निर्माण के लिए निरंतर कार्य किया है। वर्ष 2017 में जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) लागू होने से अप्रत्यक्ष कराधान के लिए एक साझा राष्ट्रीय ढांचा स्थापित हुआ। नेक्स्ट- जेनरेशन का जीएसटी नौ वर्षों के क्रियान्वयन तथा करदाताओं और राज्यों के अनुभवों के आधार पर इसी प्रयास को आगे बढ़ाता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप, नेक्स्ट- जेनरेशन जीएसटी की परिकल्पना दो परस्पर जुड़े उद्देश्यों के साथ की गई थी: कर दरों को कम व तर्कसंगत बनाना और अनुपालन को अधिक सरल बनाना। दरों में किए गए संशोधन 22 सितंबर 2025 से प्रभावी हुए। प्रक्रियात्मक सुधारों का अगला चरण शीघ्र ही जीएसटी परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। सम्मिलित रूप से, इन प्रयासों का उद्देश्य परिवारों को राहत देना, व्यवसायों को अधिक निश्चिन्ता प्रदान करना और करदाताओं के लिए एक ऐसी प्रणाली सुनिश्चित करना है जिसमें वे बिना किसी अनावश्यक कठिनाई के अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें।

राज्य इस पूरी यात्रा में बराबर के साझेदार रहे हैं। वे परिषद में अपनी प्राथमिकताओं और अनुभवों को लेकर आए, निर्णयों को आकार देने में सहयोग किया और उनके क्रियान्वयन का दायित्व संभाला। मैं इस प्रतिबद्धता के लिए उनका आभार व्यक्त करती हूँ। जीएसटी की प्रगति प्रत्येक सरकार के उत्तरदायित्वों का सम्मान करते हुए एक साझा राष्ट्रीय लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने की इसी तत्परता पर टिकी है।

इसके परिणाम विश्वास को सुदृढ़ करते हैं। अक्टूबर 2025 से जुलाई 2026 के बीच, दर्ज की गई कर-योग्य आपूर्ति के मूल्य में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 25.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कर दरों की हल्की संरचना के साथ-साथ दर्ज आर्थिक गतिविधियों में भी व्यापक विस्तार देखा गया है। यह उस सुधार के लिए एक अत्यंत उत्साहवर्धक आधार है जिसका उद्देश्य उद्यमों और सार्वजनिक वित्त दोनों को संबल प्रदान करना है।

यह सुदृढ़ता हालिया राजस्व आंकड़ों में स्पष्ट दिखाई देती है। अप्रैल-सितंबर 2026 के दौरान सकल जीएसटी संग्रह 12.46 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि से 11.6 प्रतिशत अधिक है। जून से सितंबर तक के प्रत्येक महीने में वार्षिक आधार पर दोहरे अंकों में वृद्धि दर्ज की गई; इन चार महीनों का कुल संग्रह मिलकर लगभग 15 प्रतिशत की गति से बढ़ा। कर वापसी (रिफंड) के बाद शुद्ध संग्रह में भी इस छमाही के दौरान 10.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस प्रकार, करदाताओं को दी गई राहत और विकास के लिए उपलब्ध संसाधनों में वृद्धि साथ-साथ हुई है।

इस विस्तार का दायरा उसके पैमाने जितना ही महत्वपूर्ण है। सभी 11 क्षेत्रक समूहों और सभी प्रमुख राज्यों में दर्ज कर-योग्य आपूर्ति में वृद्धि देखी गई। भारत जैसी विविध अर्थव्यवस्था में यह व्यापक प्रसार अत्यंत महत्वपूर्ण है। विभिन्न क्षेत्रों और भौगोलिक हिस्सों में होने वाली यह वृद्धि अधिक से अधिक व्यवसायों को विस्तार लेते बाज़ारों में भाग लेने का अवसर देती है,



और इसके परिणामस्वरूप उत्पन्न मांग, निवेश तथा रोज़गार से अधिकाधिक समुदायों को लाभान्वित करती है।

सुधार के बाद की अवधि की तुलना में उपभोक्ताओं को की गई प्रत्यक्ष बिक्री (बी2सी) में भी 26.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। जब कर राहत का प्रभाव कीमतों में दिखाई देता है, तो परिवारों के पास अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने या बचत करने के लिए अधिक गुंजाइश होती है। उपभोक्ता राहत और उद्यम विकास आपस में गहराई से जुड़े हैं: परिवारों की क्रय शक्ति व्यवसायों द्वारा दी जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं की मांग को बनाए रखती है। इसका लाभ परिवार से लेकर खुदरा विक्रेता, आपूर्तिकर्ता और उत्पादक तक सभी तक पहुंचता है।

लघु और मध्यम उद्यमों के लिए एक राष्ट्रीय बाज़ार तभी सार्थक होता है जब वह उनके स्थानीय परिवेश से परे ग्राहकों तक पहुँचने का व्यावहारिक मार्ग प्रशस्त करे। द्वितीय और तृतीय श्रेणी के शहरों के व्यवसायों को स्थानीय स्तर पर निवेश और रोज़गार जारी रखते हुए ऐसे संबंध बनाने में सक्षम होना चाहिए। वहीं दूसरी ओर, इन शहरों में विस्तार करने वाले उद्यम स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं और वितरकों के लिए नए अवसर सृजित कर सकते हैं। जीएसटी का साझा ढांचा इन कड़ियों को सुदृढ़ करता है; और सरल प्रशासनिक व्यवस्था को इन्हें बनाए रखना और भी सहज बनाना होगा।

इस व्यवस्था में सहभागिता अत्यंत व्यापक रही है। अगस्त के अंत तक केंद्र और राज्य क्षेत्राधिकारों के अंतर्गत कुल जीएसटी पंजीकरण लगभग 1.71 करोड़ तक पहुंच गए, जो एक वर्ष पहले की तुलना में लगभग 15 प्रतिशत अधिक हैं। अप्रैल-जुलाई 2026 की कर अवधियों के लिए, निर्धारित तिथि तक दाखिल किए गए जीएसटीआर-3बी रिटर्न पिछले वर्ष की समान अवधियों की तुलना में 12.6 प्रतिशत अधिक थे। ये सुधार प्रशासन पर एक समान दायित्व भी डालते हैं: नियमित अनुपालन को विश्वसनीय सेवा, स्पष्ट मार्गदर्शन और समस्याओं के समयबद्ध समाधान द्वारा समर्थित किया जाना चाहिए। इनपुट टैक्स क्रेडिट की कार्यप्रणाली इस अनुभव का एक अन्य महत्वपूर्ण हिस्सा है। सुधार-उपरांत आंकड़े दर्शाते हैं कि इनपुट टैक्स क्रेडिट

बालिकाएं स्त्रियां अभी भी अपेक्षित अधिकार से वंचित



एक कारण बाल विवाह, गरीबी, सामाजिक रूढ़ि्यों तथा सुरक्षा संबंधी चिंताएँ भी हैं। अनेक परिवार आज भी पुत्र की शिक्षा को निवेश और पुत्रो की शिक्षा को व्यय मानते हैं। यही सोच आगे चलकर देहेज जैसी कुप्रथा को जन्म देती और इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि शिक्षा और आधुनिकता के दावों के बीच देहेज का दानव आज भी जीवित है। राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में देहेज निषेध अधिनियम के अंतर्गत 15,489 मामले दर्ज किए गए तथा देहेज से संबंधित घटनाओं में 6,156 महिलाओं की मृत्यु हुई। अर्थात प्रतिदिन लगभग 17 महिलाओं ने देहेज की कीमत अपने जीवन से चुकाई। महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की व्यापक तस्वीर भी चिंता उत्पन्न करती है। वर्ष 2023 में देशभर में महिलाओं के विरुद्ध लगभग 4.48 लाख अपराध दर्ज किए गए। इनमें सबसे बड़ी संख्या पति

के माध्यम से चुकाई गई कर देयता का अनुपात बढ़ा है, जबकि कर-योग्य आपूर्ति के सापेक्ष संचित क्रेडिट में कमी आई है। यह उन व्यवसायों के लिए उत्पाहवर्धक है जो पात्र क्रेडिट के प्रभावी उपयोग पर निर्भर करते हैं। किसी छोटे उद्यम के लिए उसकी कार्यशील पूंजी ही यह तथ्य करती है कि वह कितनी सुगमता से कच्चा माल खरीद सकता है, कोई ऑर्डर पूरा कर सकता है और अगला काम हाथ में ले सकता है। कर वापसी (रिफंड) भी उतनी ही प्रासंगिक है। अप्रैल-सितंबर के दौरान लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपये की धनराशि रिफंड के रूप में लौटाई गई। व्यवसायों के प्राप्य बकाये को वापस लौटाना एक सुव्यवस्थित कर प्रणाली का अनिवार्य अंग है। इस प्रक्रिया में अधिक निश्चिन्ता और पूर्वानुमेयता उद्यमों को अधिक आत्मविश्वास के साथ खरीद और उत्पादन की योजना बनाने में सहायता करेगी। किसी करदाता को देय रिफंड प्राप्त होने का अनुभव प्रशासनिक दक्षता का एक प्रमुख पैमाना होता है।राज्यों की राजस्व स्थिति भी अधिक सुदृढ़ हुई है। इस वर्ष अप्रैल-सितंबर के दौरान एकौकृत माल और सेवा कर (आईजीएसटी) निपटान में उनके हिस्से सहित राज्यों की कुल एसजीएसटी प्राप्तियों में लगभग 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ये संसाधन बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक सेवाओं में निवेश को गति प्रदान करते हैं, जिससे परिवारों और उद्यमों को अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बेहतर परिवेश मिलता है। इस प्रकार, ये लाभ एक-दूसरे को सशक्त बनाते हैं: परिवारों को मिलने वाली राहत मांग को बढ़ावा देती है, उद्यम आर्थिक गतिविधियों को सुदृढ़ करते हैं, और सार्वजनिक राजस्व विकास को निरंतर बनाए रखने में सहायक होते हैं।

यह अनुभव भविष्य में किए जाने वाले कार्यों को भी रेखांकित करता है। एक विकासशील प्रणाली को इस बात के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए कि छोटे प्रतिभागियों पर इसका कितना आर्थिक व समय संबंधी भार पड़ता है। उनका समय और संसाधन सीमित होते हैं। रिटर्न दाखिल करने, क्रेडिट या रिफंड की व्यवस्था में प्रत्येक सुधार से ऐसे संसाधनों की अधिक से अधिक बचत होनी चाहिए, ताकि उनका उपयोग व्यवसाय के संचालन और विस्तार में किया जा सके।

जीएसटी परिषद के समक्ष रखे जाने वाले प्रस्ताव राज्यों के साथ निरंतर विचार-विमर्श और समन्वय के माध्यम से तैयार किए गए हैं। ये प्रस्ताव अनुपालन में लगाने वाले समय और लागत को कम करने के उद्देश्य से पंजीकरण, रिटर्न, रिफंड, विवादों के निपटारे और इनपुट टैक्स क्रेडिट के सुगम प्रवाह से जुड़े हैं। करदाताओं का अनुभव ही इसके क्रियान्वयन का मुख्य मार्गदर्शक बना रहना चाहिए।

जीएसटी की बढ़ती परिपक्वता हमें सुधारों के अगले चरण के लिए एक सशक्त आधार प्रदान करती है। स्पष्टता, निश्चिन्ता और करदाता के प्रति सम्मान की यही प्रतिबद्धता प्रत्यक्ष करों से जुड़े हमारे कार्य को भी दिशा देती है। एक भरोसेमंद कर प्रणाली उद्यमों को अपने तात्कालिक दायित्वों से आगे बढ़कर योजना बनाने तथा ऐसे अवसरों में निवेश करने में सक्षम बनाती है जिनके फलने-फूलने में समय लगता है। वे चाहे कहीं भी कार्य कर रहे हों, उन्हें यह भरोसा दिलाता प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप एक विकसित भारत की आर्थिक शक्ति के निर्माण में सहायक सिद्ध होता है। (लेखिका केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री हैं)

अथवा रिश्तेदारों द्वारा कूरता के मामलों की रही, जो कुल अपराधों का लगभग 30 प्रतिशत है।

यह स्थिति केवल आँकड़ों की कहानी नहीं है; यह उन लाखों बेटियों, बहनों और माताओं की पीड़ा का दस्तावेज़ है जो आज भी भेदभाव, हिंसा और असमानता का सामना कर रही हैं।

समाज सुधारिका सावित्रीबाई फुले ने कहा था यदि तुम शिक्षित हो जाओगे तो तुम्हें अपने अधिकारों का ज्ञान होगा।

वहीं डॉ. भीमराव आंबेडकर का प्रसिद्ध कथन है कि

किसी समाज की प्रगति का आकलन उसकी महिलाओं की प्रगति से किया जाना चाहिए। महात्मा गांधी ने भी कहा था यदि आप एक पुरुष को शिक्षित करते हैं तो केवल एक व्यक्ति शिक्षित होता है, किंतु यदि आप एक स्त्री को शिक्षित करते हैं तो पूरा परिवार शिक्षित होता है। इसी प्रकार स्वामी विवेकानंद का मानना था कि जिस राष्ट्र ने अपनी स्त्रियों का सम्मान करना नहीं सीखा, वह कभी महान नहीं बन सकता। क्योंकि केवल विद्यार्थियों की संख्या बढ़ा देना पर्याप्त नहीं है; आवश्यक यह है कि बालिका शिक्षा को सामाजिक सम्मान, आर्थिक सुरक्षा और समान अवसरों से जोड़ा जाए। जब तक बेटी को परिवार की उत्तराधिकारी नहीं माना जाएगा, जब तक विवाह को आर्थिक लेन-देन का माध्यम समझा जाएगा, तब तक देहेज की मानसिकता समाप्त नहीं होगी।विंबनका यह है कि एक ओर हम महिला सशक्तिकरण के नारे लगाते हैं, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान चलाते हैं, महिलाओं की उपलब्धियों पर गर्व करते हैं, दूसरी ओर कन्या के जन्म पर चिंता और विवाह के समय देहेज की चर्चा अभी भी अनेक घरों में सामान्य बात मानी जाती है। यह दोहरा सामाजिक चरित्र हमारी सबसे बड़ी चुनौती है।

गो-तस्करी के शक से अदालत तक -सदेह से सजा नहीं, सबूत जरूरी!

–32 बैलों के मामले में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, मवेशी परिवहन से जुड़े आरोपों और माँब लिंचिंग की बहस को मिला निर्णायक कानूनी संदेश! –समग्र व्यापक विश्लेषण

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोदिया महाराष्ट्र

गोदिया –वैश्विक स्तरपर भारत में मवेशियों के परिवहन गो- तस्करी और गोवध के आरोप लंबे समय से केवल कानून- व्यवस्था का विषय नहीं रहे हैं,बल्कि कई बार ये सामाजिक तनाव, भीड़ की हिंसा, मानवाधिकार और संवैधानिक शासन से जुड़े गंभीर प्रश्नों का कारण भी बने हैं। दादरी में सितंबर 2015 में हत्या,झारखंड के लातेहार में मार्च 2016 में दो पशु व्यापारियों की हत्या, राजस्थान के अलवर में अप्रैल 2017 में हत्या और जून 2017 में रामगढ़ में एक व्यक्ति की माँब लिंचिंग जैसे मामलों ने देश में यह सवाल खड़ा किया कि क्या किसी व्यक्ति पर गो-तस्करी या गोवध का संदेह मात्र उसे कानून अपने हाथ में लेकर दंडित करने का अधिकार किसी भी भीड़ दे सकता है? स्पष्ट उत्तर है,नहीं।लातेहार मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने भी दो पशु व्यापारियों की हत्या को लेकर झारखंड सरकार से रिपोर्ट मांगी थी।2018 में अलवर की हत्या ने इस बहस को फिर तीव्र किया; बाद में स्थानीय अदालत ने चार आरोपियों को दोषी ठहराते हुए सात-सात वर्ष की सजा सुनाई। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोदिया महाराष्ट्र मीडिया में आई जानकारी के हवाले से यह बताना चाहूँगा कि इसी व्यापक सामाजिक और कानूनी प्रष्ठभूमि में सुप्रीम कोर्ट का 29 सितंबर 2026 का निर्णय अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है।यह निर्णय माँब लिंचिंग का फैसला नहीं है, लेकिन मवेशियों के परिवहन को लेकर अपराधिक अभियोजन में संदेह, अनुमान और प्रमाण के बीच की कानूनी सीमा को स्पष्ट करता है।मामले का आधिकारिक रूप से उद्घाट शीर्षक सौभ बजाज वसंसे स्टेट ऑफ़ छत्तीसगढ़ एंड ऑदर्स है। यह क्रिमिनल अपील अरिसिंग. आउट ऑफ़ स्पेशल लीव पिटीशन (क्रिमिनल.) नंबर 16871 ऑफ़ 2026 था और इसका

नेउटल साइटेशन 2026 ई ए नं एससी 1076 है। फैसला न्यायमूर्ति जे.बी.पारदीवाला और न्यायमूर्ति के.विनोद चंद्रन की पीठ ने 29 सितंबर 2026 को सुनाना मीीडिया पारदर्शिता की दृष्टि से ये विवरण अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इससे पाठक समाचार रिपोर्ट और मूल न्यायिक निर्णय के बीच स्वतंत्र रूप से सत्यापन कर सकता है।

साथियों, मामले की शुरुआत छत्तीसगढ़ कृषि पशु संरक्षण अधिनियम,2004 के अंतर्गत हुई थी,अभियोजन का आरोप था कि 32 बैलों को एक ट्रक में केडुवा से ओडिशा की ओर ले जाया जा रहा था।पुलिस को सूचना मिली और एक हेड कांस्टेबल ने ट्रक को रोककर मवेशियों को पकड़ने के लिए किया तथा चालक और क्लीनर को गिरफ्तार किया।ट्रक के आगे एक बोलेरो वाहन भी चल रहा था, जिसमें चार लोग सवार थे।पुलिस का आरोप था कि बोलेरो ट्रक को रास्ता दिखाने अथवा उसकी निगरानी करने के लिए आगे चल रही थी।अपीलकर्ता उन्हीं लोगों में शामिल था। अभियोजन ने आरोप लगाया कि मवेशियों का परिवहन अधिनियम की धारा 6 का उल्लंघन करते हुए वध के उद्देश्य से किया जा रहा था।निचली अदालत ने दोषसिद्धि की और धारा 10 के तहत एक वर्ष के कठोर कारावास तथा 1,000 रूपए जुर्माने की सजा दी। प्रथम अपीलीय अदालत और पुनरीक्षण अदालत ने भी दोषसिद्धि कायम रखी, हालांकि बाद में हाईकोर्ट ने सजा को पहले से भुगती गई अवधि तक सीमित कर दिया। इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। साथियों,सुप्रीम कोर्ट के सामने मूल प्रश्न यह था कि क्या केवल इस तथ्य से कि मवेशियों के परिवहन के समस्त आवश्यक दस्तावेज मौजूद नहीं थे, यह कानूनी निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि उन्हें वध के लिए ले जाया जा रहा था? अदालत ने इसका उत्तर स्पष्ट रूप से नकारात्मक दिया।पीठ ने कहा कि केवल परिवहन दस्तावेजों काअभाव इस बात की धारणा पैदा नहीं कर सकता कि मवेशियों को वध के

उद्देश्य से ले जाया जा रहा था।

अदालत ने विशेष रूप से यह स्पष्ट किया कि यदि दस्तावेजों की कमी किसी अन्य कानून या नियम का उल्लंघन है तो उसके परिणाम उसी संबंधित कानून के तहत होंगे; उस कमी को स्वतः छत्तीसगढ़ कृषि पशु संरक्षण अधिनियम के तहत वध के उद्देश्य का प्रमाण नहीं बनाया जा सकता। साथियों यहां निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण कानूनी सिद्धांत रिवर्स बर्डन ऑफ़ प्रूफ़ यानें सबूत के उलटे भार से संबंधित है। सामान्य अपराधिक न्याय व्यवस्था में मूल सिद्धांत यह है कि अभियोजन पक्ष को आरोपी के विरुद्ध अपराध के आवश्यक तत्व संदेह से परे साबित करने होते हैं। विशेष कानूनों में कभी-कभी आरोपी पर भी कुछ तथ्यों को साबित करने को वध के उद्देश्य से ले जाया जा रहा था अथवा आरोपी को यह जानकारी थी कि उनका वध किए जाने की संभावना है। इसके बाद ही धारा 11 के तहत आरोपी पर संबंधित तथ्य साबित करने का भार सटीकता से आ सकता है। साथियों माननीय सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में पाया कि हेड कांस्टेबल ने मवेशियों को वध के लिए ले जाए जाने की आशंका व्यक्त की थी, लेकिन केवल उस आशंकाके अलावा रिकॉर्ड में ऐसा पर्याप्त प्रमाण नहीं था जिससे वध का उद्देश्य सिद्ध हो सके। अदालत ने यह भी महत्वपूर्ण माना कि पशु चिकित्सक और गौशाला समिति के अध्यक्ष ने न्यायालय के समक्ष कहा था कि जब्त किए गए मवेशी स्वस्थ थे और कृषि कार्य, जैसे हल चलाने, के लिए उपयुक्त थे।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय में आकाश आनंद के व्यक्तित्व और कार्यशैली में बदलाव देखने को मिला है। इसका प्रमाण हाल ही में आकाश मोडिया मंच 'एक्म' पर उनके द्वारा किया गया एक पोस्ट भी है। इसका काफी चर्चा हुई थी। मायावती ने कहा कि आकाश आनंद कर्म के लिए तो लेकर पिछले दिनों काव्य परिस्थितियाँ ऐसी बनीं, जिनके कारण पार्टी संभलने में कई महत्वपूर्ण बदलाव करने पड़े। बाद में उनके सूर अशोक सिद्धार्थ को भी सक्ति राजनीति से संयसे लेना पड़ा।

फ्लाईदुबई से मिले आपातकाल सदेश के बाद इजरायल विमान मार गिराने को तैयार था



यरूशलम (आरएनएस)। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान में कॉकपिट के भीतर कसान पर हुए हमले को लेकर चॉंकाने वाला खुलासा हुआ है। दो इजरायली सूत्रों के हवाले से सामने आई रिपोर्ट के अनुसार, विमान के कॉकपिट में कसान पर हमले की जानकारी मिलने और वहां से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने के बाद इजरायल ने विमान को संभावित रूप से मार गिराने की तैयारी शुरू कर दी थी। आशंका थी कि विमान का अपहरण कर उसे 11 सितंबर 2001 जैसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस तरह की आपात स्थिति से निपटने के लिए इजरायल के पास पहले से निर्धारित सुरक्षा व्यवस्था है। कॉकपिट से संपर्क स्थापित करने की कोशिश का कोई जवाब नहीं मिलने पर इजरायली वायुसेना ने आपात तंत्र सक्रिय कर दिया। इसके तहत एक नियंत्रण केंद्र स्थापित किया गया और तत्काल लड़ाकू विमानों को रवाना कर दिया गया। सुरक्षा कारणों से इजरायल का हवाई क्षेत्र भी बंद कर दिया गया।

हालांकि, स्थिति उस समय बदल गई जब विमान इजरायल की दिशा में आगे बढ़ने के बजाय सऊदी अरब की ओर मुड़ गया। इसके बाद इजरायल ने अपने सभी लड़ाकू विमानों को वापस बुला लिया। रिपोर्ट के मुताबिक, यदि विमान तेल अवीव के करीब पहुंचता तो इजरायली लड़ाकू विमान उसके साथ उड़ान भरते हुए कॉकपिट का निरीक्षण करते और वहां मौजूद लोगों से दृश्य संपर्क स्थापित करने का प्रयास करते।

साथ ही लड़ाकू विमानों के पायलट विमान के भीतर यात्रियों और चालक दल की स्थिति का भी आकलन करते। इसका उद्देश्य यह पता लगाना होता कि विमान वास्तव में अपहरण की स्थिति में है या नहीं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि विमान के अपहरण की पुष्टि हो जाती और संदिग्ध हमलावरों की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलती, तो मामला इजरायल के रक्षा मंत्री और प्रधानमंत्री तक पहुंचाया जाता। यदि विमान पर कब्जा कर लिया जाता और वह लगातार इजरायल की ओर बढ़ता रहता, तो बेन गुरियन हवाई अड्डे या अजरीली केंद्र जैसे संवेदनशील ठिकानों पर संभावित हमले को रोकने के लिए विमान को पहले ही रोकने का निर्णय लिया जा सकता था।निर्धारित सुरक्षा प्रक्रिया के अनुसार, इजरायल की ओर बढ़ रहे किसी अनियंत्रित विमान को मार गिराने का विकल्प मौजूद है। हालांकि, ऐसा अंतिम निर्णय लेने का अधिकार केवल प्रधानमंत्री के पास होता है। इजरायल में इसे सैकड़ों लोगों की जान बचाने के लिए अंतिम उपाय के रूप में देखा जाता है।करीब 150 इजरायली यात्रियों को लेकर जा रहे विमान से आपात संदेश मिलने के बाद इजरायल के साथ-साथ सऊदी अरब ने भी अपने लड़ाकू विमान रवाना किए थे। हालांकि, विमान के सऊदी अरब की ओर मुड़ने और स्थिति स्पष्ट होने के बाद दोनों देशों के लड़ाकू विमानों को कार्रवाई करने की जरूरत नहीं पड़ी।

सऊदी अरब की सुरक्षा के लिए सक्रिय हुआ मक्का रक्षा गठबंधन, पाकिस्तान-तुर्की निभाएंगे सहयोगी भूमिका

रियाद में आपात बैठक में सामूहिक रक्षा प्रतिबद्धताएं लागू करने का फैसला, जरूरत पड़ने पर सऊदी अरब में तेजी से तैनात होंगी सेनाएं

रियाद, (आरएनएस)। सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान, तुर्की और सऊदी अरब ने अपनी साझा सुरक्षा व्यवस्था को सक्रिय करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। तीनों देशों के बीच बने मक्का रक्षा गठबंधन की रणनीतिक, राजनीतिक एवं रक्षा समिति की सोमवार को रियाद में आपात बैठक हुई। बैठक में सऊदी अरब के सामने मौजूद सुरक्षा चुनौतियों और संभावित खतरों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि तीनों देश सामूहिक रक्षा से जुड़ी अपनी प्रतिबद्धताओं को लागू करने के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाएंगे। इसके तहत निर्धारित सैन्य बलों और आवश्यक क्षमताओं को उपलब्ध कराने तथा जरूरत पड़ने पर उन्हें तेजी से सऊदी अरब में तैनात करने की

केन एंड एबेल उपन्यास लिखने वाले मशहूर ब्रिटिश लेखक जेफरी आर्चर का निधन

लंदन (आरएनएस)। मशहूर ब्रिटिश लेखक और पूर्व राजनीतिज्ञ जेफरी आर्चर का सोमवार को 86 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। अंतिम समय में वह अपने घर पर थे। यह जानकारी उनके प्रकाशक हार्परकॉलिनस ने दी। आर्चर का निधन ऐसे समय हुआ, जब उनका अंतिम उपन्यास एडम एंड ईव 6 अक्टूबर को प्रकाशित होने वाला था। पुस्तक पर शनिवार को चेल्टेनहैम महोत्सव में चर्चा होनी थी। आर्चर ने अपने 5 दशक के लेखन करियर में 30 करोड़ से अधिक पुस्तकें बेचीं हैं।

हार्परकॉलिनस की ब्रिटेन की मुख्य कार्यकारी अधिकारी और आर्चर की संपादक केट एल्टन ने कहा, हम सभी एक ऐसे लेखक को खोने से बेहद दुखी हैं जिन्होंने पाठकों की कई पीढ़ियों को खुशी दी और एक सच्चे दोस्त को खोया।

हार्परकॉलिनस ने आर्चर को कहानी कहने में माहिर बताया और कहा कि उनके पाठक उनके लिए सब कुछ थे।

ब्रिटेन के पूर्व संसद सदस्य ब्रैंडेथ ने आर्चर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनको अंत तक एक महान कहानीकार बताया।

आर्चर ने 59 से अधिक रचनाएं लिखी हैं, लेकिन उनको सबसे अधिक प्रसिद्धि क्लिफ्टन क्रॉनिकल्स और केन एंड एबेल जैसी रचनाओं से मिली है।

मनोरंजन

रावी गुप्ता ने बताया कैसे बदल गई टीवी इंडस्ट्री, बोलीं- पहले नकारात्मक किरदार को बिल्कुल बुरा दिखाते थे

अभिनेत्री रावी गुप्ता इन दिनों लोकप्रिय सीरियल क्योंकि सास भी कभी बहू थी के दूसरे सीजन में दामिनी (गौतम विरानी की पत्नी) के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि पहले की तुलना में आज काम करने का तरीका पूरी तरह से बदल गया है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में इंडस्ट्री बहुत तेजी से बढी है और मुझे लगता है कि आगे भी बढ़ती रहेगी। उन्होंने कहा, इंडस्ट्री में बदलाव आगे भी जारी रहेगा, खासकर तकनीक के मामले में। अगर मैं क्योंकि सास भी बहू की तुलना-2 की तुलना पहले शो से करूँ, तो दोनों की तकनीक में जमीन-आसमान का फर्क है।

अभिनेत्री ने अपने किरदार पर बात करते हुए कहा, मेरा किरदार खुद ही एक सरप्राइज है। लोगों को लगा था कि दामिनी निगेटिव होगी, क्योंकि पिछले सीजन में मैंने निगेटिव रोल किया था। सबको लगा कि वह कुछ गलत करेगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। असल में वह एक आम औरत है, जिसकी अपनी परेशानियां हैं। वह ज्यादा ड्रामा नहीं करती और यही इस किरदार को खास बनाती है।

अभिनेत्री ने बताया कि पहले के मुकाबले अब उन्हें डेली सोप में बदलाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा, पहले के समय में निगेटिव रोल को बिल्कुल बुरा ही दिखाते

थे, जैसे कि उनमें कुछ अच्छा है ही नहीं और उनकी हर चीज को बला-चढ़ाकर दिखाया जाता था। खासकर महिलाओं के मामले में, अगर किरदार पाँजिटिव है, तो उसे देवी बना दिया जाता था, लेकिन अब मुझे बदलाव नजर आ रहा है। डेली सोप में भी अब किरदारों में गहराई देखने को मिल रही है, जो कि अच्छा बदलाव है।

अपनी दिनचर्या में शामिल करें ये 5 छोटी-छोटी आदते, पूरे हफ्ते होगा कम तनाव

अव्यवस्था से भरे सप्ताह को संभालना कभी-कभी काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। खासकर जब काम का बोझ और जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। ऐसे में कुछ छोटी-छोटी आदतें आपके जीवन को थोड़ा आसान और व्यवस्थित बना सकती हैं। ये आदतें न केवल आपके मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाएंगी, बल्कि आपको अधिक उत्पादक भी बनाएंगी। आइए आज हम आपको 5 ऐसी आदतें बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने सप्ताह को कम अव्यवस्थित बना सकते हैं।

सही तरीके से करें सुबह की शुरुआत

सुबह की सही शुरुआत आपके पूरे दिन को प्रभावित कर सकती है। उठते ही सबसे पहले पानी पिएं, फिर कुछ मिनट योग या ध्यान करें। इससे आपका मन शांत रहेगा और आप अधिक ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे। इसके बाद नाश्ते के लिए सेहतमंद खाने का सेवन करें। सेहतमंद नाश्ते से आपकी ऊर्जा का स्तर बढ़ेगा और आप पूरे दिन तरोताजा महसूस करेंगे। इसके अलावा सुबह की नियमित कसरत भी आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है।

तय करें कामों की प्राथमिकता

अपने सभी कामों की एक सूची बनाएं और उन्हें प्राथमिकता दें। सबसे जरूरी और तुरंत करने वाले कामों को पहले करें, फिर कम जरूरी वाले काम करें। इससे आपका



ध्यान भटकेगा नहीं और आप अधिक उत्पादक रहेंगे। प्राथमिकता देने से आपको यह भी पता चलेगा कि कौन-से काम ज्यादा समय ले रहे हैं और उन्हें कैसे बेहतर तरीके से किया जा सकता है। इससे आप अपने समय का सही उपयोग कर पाएंगे और अव्यवस्था से बच सकेंगे।

ब्रेक लेना न भूलें

काम करते समय छोटे-छोटे ब्रेक लेना बहुत जरूरी है। लगातार काम करने से थकान होती है और आपकी उत्पादकता कम हो जाती है। हर 1-2 घंटे बाद 5-10 मिनट का ब्रेक लें। इस दौरान थोड़ा टहलें, गहरी सांस लें या कुछ

हल्की कसरत करें। इससे आपका मन तरोताजा रहेगा और आप फिर से ताजगी के साथ काम कर पाएंगे। ब्रेक लेने से आपकी ऊर्जा बनी रहेगी और आप अधिक प्रभावी तरीके से काम कर सकेंगे।

करें डिजिटल डिटॉक्स

आजकल हम सभी तकनीक पर निर्भर रहते हैं, लेकिन ज्यादा स्क्रीन टाइम भी अव्यवस्था का कारण बन सकता है। सप्ताह के अंत पर अपने फोन और कंप्यूटर से थोड़ी दूरी बनाएं। कोशिश करें कि दिनभर में कुछ घंटे बिना किसी तकनीक के बिताएं। इस दौरान किताब पढ़ें, बाहर टहलें या परिवार के साथ समय बिताएं। इससे आंखों को आराम मिलेगा और मन भी शांत रहेगा। डिजिटल डिटॉक्स से आप अपनी रचनात्मकता बढ़ा सकते हैं और मानसिक शांति पा सकते हैं।

खुद के लिए निकालें समय

अव्यवस्था से भरे सप्ताह पर खुद के लिए समय निकालना बहुत जरूरी है। चाहे वह कोई शौक हो, फिल्म देखना हो या किसी दोस्त से मिलना हो, ऐसा कुछ करें जो आपको खुशी दे। इससे न केवल आपका मन खुश रहेगा, बल्कि आपकी ऊर्जा भी फिर से भर जाएगी। खुद के लिए समय निकालने से आप अपने जीवन में संतुलन बनाए रख सकते हैं और मानसिक शांति पा सकते हैं।

अनुपमा के साथ दो साल पूरे करना मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि, इशिता दीक्षित ने साझा किए अनुभव

धारावाहिक अनुपमा में पिछले दो साल

दीक्षित ने कहा कि यह उनके लिए एक इशिता ने कहा, अनुपमा जैसे बड़े शो बहुत बड़ी उपलब्धि और एक शुक्रगुजार और छात्र नेताओं में भारी असंतोष फैल गया है। बालेन सरकार ने मामलों की समीक्षा और वापसी की कानूनी रूपरेखा तय करने के लिए इस जांच समिति का गठन किया था।

1,778 आरोपियों में से सिर्फ सामान्य प्रदर्शनकारियों को राहत



सारे सीनियर एक्टर्स के साथ काम करते हैं, तो आप उन्हें देखकर, उनके काम करने के तरीके को समझकर और उनके साथ सीन करके लगातार सीखते रहते हैं।इशिता ने बताया, यह मेरे लिए बहुत शानदार अनुभव रहा है और मुझे उम्मीद है कि यह ऐसे ही चलता रहेगा। देखते हैं कि परी और मैं कब तक साथ रहते हैं, लेकिन सच कहूँ तो, मैं चाहूँगी कि यह सफर लंबा चले क्योंकि मैं अधिक से अधिक समय तक परी का किरदार निभाना चाहती हूँ।

शरीर को नई ऊर्जा देता है अष्टावक्रासन, अभ्यास से मिलता है संतुलन और शक्ति

योग केवल शरीर को लचीला बनाने की क्रिय नहीं है, बल्कि यह मन और आत्मा को संतुलित करने का एक प्राचीन मार्ग है। भारतीय योग परंपरा में अष्टावक्रासन एक ऐसा योगासन है, जो बाजुओं में मजबूती, पेट की मांसपेशियों में कसाव और मानसिक स्थिरता लाने के लिए जाना जाता है। महर्षि अष्टावक्र के नाम पर रखा गया यह आसन दिखने में भले ही कठिन लगे, लेकिन नियमित अभ्यास से यह शरीर को नई ऊर्जा और संतुलन प्रदान करता है। अष्टावक्र का शाब्दिक अर्थ है आठ वक्रता, जो उनके शरीर में मौजूद आठ विकृतियों से संबंधित है।



योगासन है। इस आसन में शरीर को भुजाओं पर कुछ सेकंड के लिए भी संतुलित रखने के लिए कोर, पीठ और भुजाओं में अत्यधिक शक्ति की आवश्यकता होती है।

अष्टकोण आसन के अभ्यास के दौरान, साधक की भुजाएं चतुरंग आसन की तरह मुड़ी हुई होती हैं और शरीर एक समय में एक भुजा पर संतुलित रहता है। साथ ही यह आसन मन और मांसपेशियों के बीच संबंध स्थापित करने के लिए उत्तम है और पूरे शरीर को सुडौल बनाने में मदद करता है। नए अभ्यासकर्ता इस आसन को करने से दौरान किसी विशेषज्ञ की सहायता लें।

आयुष मंत्रालय के सामान्य योग दिशा-निर्देशों के अनुसार, अगर किसी भी व्यक्ति की कलाई, कंधे, कोहनी या पीठ में गंभीर चोट या दर्द हो, तो वे इसे करने से परहेज करें। साथ ही, गर्भावस्था के दौरान महिलाएं इस आसन का अभ्यास न करें। हर्निया या कार्पल टनल सिंड्रोम से पीड़ित व्यक्ति इसके अभ्यास से दूर रहें।

पुलिसकर्मियों पर जानलेवा हमले करने, हथियार छीनने या सरकारी संपत्ति को तोड़फोड़ और लूटपाट के आरोप हैं, उनके खिलाफ दर्ज गंभीर आपराधिक मुकदमे किसी भी सूत में वापस नहीं लिए जा सकते।

1400 से अधिक लोगों पर लूटपाट व हिंसा के आरोप, 53 पर न्यायिक प्रक्रिया जारी

नेपाल सरकार के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, दर्ज मुकदमों में से 1,400 से अधिक लोगों पर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और सुरक्षा बलों पर हमला करने के संगीन आरोप दर्ज हैं। इनमें से 53 आरोपियों के खिलाफ अदालतों में नियमित ट्रायल शुरू हो चुका है और यह मामला पूरी तरह न्यायपालिका के क्षेत्राधिकार में पहुंच गया है। समिति का तर्क है कि अदालत में विचाराधीन और जघन्य श्रेणी के मामलों में कार्यपालिका सीधे तौर पर हस्तक्षेप कर केस रद्द नहीं कर सकती।

बुधवार ०७ अक्टूबर २०२६,नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

छत्तीसगढ़ समाचार

दैनिक क्षितिज किरण ७

कोल लेवी प्रकरण में ईओडब्ल्यू ने किया ९५०० पत्रों का छठा पूरक चालान पेश

रायपुर, (आरएनएस)। कथित कोल लेवी प्रकरण में आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) ने विशेष अदालत में १२ आरोपियों के खिलाफ करीब ९५०० पत्रों का छठा पूरक चालान पेश किया है। चालान में देवेंद्र यादव, विनोद तिवारी, चंद्रदेव राय, पीयूष साहू, आरपी सिंह, जोगेंद्र सिंह, राहुल मिश्रा, जेपी मौंया, दीपेश टांक, रामगोपाल अग्रवाल, रामप्रताप सिंह और सुनील अग्रवाल को आरोपी बनाया गया है।

जांच एजेंसी के अनुसार, वर्ष २०२० से २०२२ के दौरान कोयला परिवहन के लिए प्रति टन २५ रुपये की कथित अवैध वसूली की व्यवस्था संचालित की गई थी। आरोप है कि ई-परमिट व्यवस्था में बदलाव के बाद मैन्युअल अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रक्रिया के जरिए यह राशि वसूली जाती थी।

ईओडब्ल्यू की जांच के मुताबिक, इस कथित व्यवस्था के जरिए करीब ५०० से ५४० करोड़ रुपये से अधिक की अवैध राशि एकत्र किए जाने का अनुमान है। जांच में इस रकम के वितरण और इसके इस्तेमाल से जुड़े पहलुओं की भी जांच की गई है। मामले में ईओडब्ल्यू की ओर से यह छठा पूरक चालान है। हालांकि, आरोपियों पर लगाए गए आरोपों का अंतिम निर्धारण न्यायालय में चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया और साक्ष्यों के आधार पर होगा।

डीएसपी और एसपी स्तर के ७ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की नई पदस्थापना

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ पुलिस महकमे में एक बार फिर प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। राज्य सरकार ने डीएसपी और एसपी स्तर के ७ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की नई पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। इनमें मुख्यमंत्री और राजभवन सुरक्षा के साथ-साथ विभिन्न जिलों के एसडीओपी भी शामिल हैं।आदेश के अनुसार सचिन्द्र चौबे को मुख्यमंत्री सुरक्षा, रायपुर में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एसएसी) बनाया गया है। आलोक तिवारी को १४वीं वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, माना में सहायक सेनानी की जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह गिरीश कोरी और नीलकिशोर अवस्थी को सीआईडी/सुरक्षा वाहिनी, माना में पदस्थ किया गया है। दिनेश सिंह को राजभवन सुरक्षा, रायपुर में सहायक सेनानी बनाया गया है।वहीं मयंक रणसिंह को भाटापारा का एसडीओपी और तारेश साहू को बिलासपुर जिले में एसडीओपी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस मुख्यालय से जारी आदेश के मुताबिक सभी अधिकारियों को नवीन पदस्थापना स्थल पर तत्काल कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

संकट की घड़ी में बाढ़ प्रभावितों के साथ मजबूती से खड़ी छत्तीसगढ़ सरकार

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित नागरिकों की सुरक्षा और उन्हें त्वरित राहत पहुंचाने के लिए राज्य सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर राहत एवं बचाव अभियान संचालित किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में लगातार सक्रिय हैं। प्रदेशभर में जलभराव और बाढ़ में फंसे ४९ हजार ७९३ से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया है। प्रभावित परिवारों के लिए १५२ राहत शिविर स्थापित कर ११ हजार ९४५ से अधिक लोगों के रहने और भोजन की व्यवस्था की गई है।राज्य में १ जून से ३० सितम्बर २०२६ की अवधि के दौरान, विशेषकर २३ से २९ सितम्बर के बीच हुई मुसलाधार बारिश और बाढ़ से प्रदेश के ३३ में से २२ से अधिक जिलों में जनजीवन प्रभावित हुआ। नदियों और नालों में जलस्तर बढ़ने से १,०८३ गांवों के ७४ हजार १३० से अधिक नागरिक प्रभावित हुए। बाढ़ का सर्वाधिक प्रभाव दक्षिण छत्तीसगढ़ के सुकमा और बस्तर जिलों में देखा गया।

एशियाई खेलों में भारतीय पुरुष हॉकी टीम की स्वर्णिम उपलब्धि

फाइनल में मलेशिया को ५-१ से हराकर जीता स्वर्ण पदक, लॉस एंजलिस ओलंपिक के लिए किया क्वालीफाई

मध्यप्रदेश पुलिस के डीएसपी विवेक सागर प्रसाद भी स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम के सदस्य

भोपाल (आरएनएस)। २०वें एशियाई खेल आइची-नागोया, जापान में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है। ३ अक्टूबर को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने मलेशिया को ५-१ से पराजित कर एशियाई खेलों में लगातार दूसरी बार हॉकी का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस स्वर्णिम सफलता के साथ भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने २०२८ लॉस एंजलिस ओलंपिक के लिए भी सीधे क्वालीफाई किया।भारतीय टीम को इस शानदार उपलब्धि पर मध्यप्रदेश पुलिस के पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने पूरी भारतीय पुरुष हॉकी टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने टीम के सदस्य एवं मध्यप्रदेश पुलिस में पुलिस उप अधीक्षक विवेक सागर प्रसाद को भी इस गौरवपूर्ण उपलब्धि का हिस्सा बनने पर बधाई दी।

स्वर्णिम सफलता का हिस्सा रहे डीएसपी विवेक सागर प्रसाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम की इस ऐतिहासिक जीत में मध्यप्रदेश पुलिस के उप पुलिस अधीक्षक विवेक सागर प्रसाद भी टीम के सदस्य के रूप में शामिल रहे। टीम के मिडफील्डर विवेक सागर प्रसाद ने पूरे

घुटने की चोट के कारण २०२६ के बाकी सत्र से बाहर हुए विश्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी सिनर

नई दिल्ली, (आरएनएस)। विश्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर ने मंगलवार को दाहिने घुटने की चोट के कारण २०२६ सत्र के बाकी बचे टूर्नामेंटों से हटने की घोषणा की। २५ वर्षीय इटली के सिनर ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में यह जानकारी दी।सिनर ने कहा, मुझे अपने घुटने के इलाज का एक चरण पूरा करना है, जिसका मतलब है कि २०२६ सत्र आधिकारिक रूप से समाप्त हो गया है।सिनर जुलाई में लगातार दूसरी बार विंबलडन खिताब जीतने के बाद से ही प्रतिस्पर्धी टेनिस से दूर हैं। घुटने की चोट के कारण अब वह इस सत्र में दोबारा कोर्ट पर नहीं उतरेंगे। सत्र के बाकी हिस्से से हटने के फैसले का मतलब है कि सिनर सत्र के अंत में तुरिन में होने वाले एटीपी फाइनल्स में लगातार तीसरी बार खिताब जीतने की कोशिश भी नहीं कर पाएंगे।

महाराजा राष्ट्रीय साइकिल पोलो कप १५ नवंबर से, १५ साल बाद जोधपुर में एक साथ होंगे तीन राष्ट्रीय कप

जोधपुर,(आरएनएस)। राज मारवाड़ खेल महोत्सव और साइकिल पोलो फेडरेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में पुरुष वर्ग के तीन राष्ट्रीय साइकिल पोलो कप १५ से १८ नवंबर तक जोधपुर में आयोजित किए जाएंगे। प्रतियोगिताएं महाराजा गज सिंह स्पोर्ट्स फाउंडेशन पोलो मैदान में होंगी। राज मारवाड़ खेल महोत्सव के सह-संस्थापक राजेंद्र कुमार गुर्जर ने बताया कि करीब १५ वर्ष बाद जोधपुर में पुरुष वर्ग के तीनों प्रमुख राष्ट्रीय साइकिल पोलो कप एक साथ आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें महाराजा जोधपुर राष्ट्रीय कप, युवराज जोधपुर जूनियर राष्ट्रीय साइकिल पोलो कप और जोधपुर राजभंवर सब-जूनियर राष्ट्रीय साइकिल पोलो कप शामिल हैं। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष भी जोधपुर में राष्ट्रीय साइकिल पोलो फेडरेशन कप के पुरुष और महिला वर्ग की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थीं। इस वर्ष तीन राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आयोजन से शहर में साइकिल पोलो गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

बस्तर का रेल यातायात पिछले १३ दिनों से बंद, नवरात्रि स्पेशल ट्रेन पर लगा ग्रहण



जगदलपुर, (आरएनएस)। बस्तर के बैलाडीला से विशाखापटनम जाने वाला रेल यातायात पिछले १३ दिनों से बंद है, २४ सितंबर से इस रूट पर यात्री ट्रेन सहित मालगाड़ी भी नहीं चल रही है। चक्रवाती तूफान के दौरान हुए भूस्खलन से रेल लाइन को हुए नुकसान के बाद रेलवे की आवाजाही पूरी तरह ठप है।रेलवे ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि क्षतिग्रस्त रेल मार्ग को कब तक बहाल किया जाएगा। जगदलपुर रेलवे स्टेशन पूरी तरह से सूना पड़ा हुआ है, इसका असर अब नवरात्रि पर भी पड़ता दिख रहा है। प्रतिवर्ष नवरात्रि और दशहरा के दौरान दंतेवाड़ा में मां दंतेश्वरी के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में ओडिशा और बस्तर से श्रद्धालु पहुंचते हैं। इन यात्रियों के लिए रेलवे की ओर से चलाई जाने वाली स्पेशल ट्रेन सबसे सस्ता और सुविधाजनक साधन होती है। इस बार रेल

२५ करोड़ की रंगदारी मामले में फ़ार शोएब टेबर पर ५ हजार का इनाम

रायपुर,(आरएनएस)। कांग्रेस नेता आनंद कुकरेजा से २५ करोड़ रुपये की कथित रंगदारी मांगने के मामले में फ़ार आरोपी शोएब टेबर पर रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने ५ हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। आरोपी की सूचना देने वाले ब्यक्ति को यह राशि दी जाएगी।

कोर्ट से दोबारा गिरफ्तारी की अनुमति मिलने के बाद पुलिस ने शोएब की तलाश में पाम बेलाजिओ, बैरन बाजार और पारिवारिक आवास समेत करीब आधा दर्जन ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन वह नहीं मिला। पुलिस को उसके दूसरे राज्य में जाने की आशंका है, जिसके चलते संभावित ठिकानों और संपर्कों पर नज़र रखी जा रही है।

मामले में आनंद कुकरेजा को धमकी भरा फ़ोन कर २५ करोड़ रुपये की रंगदारी मांगे जाने की शिकायत तेलीबांधा थाने में दर्ज हुई थी। जांच के दौरान पुलिस ने जांजगीर-चांपा निवासी एक युवक को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने कथित तौर पर शोएब टेबर का नाम बताया। इसके बाद एसीसीयू और तेलीबांधा पुलिस ने २६ सितंबर की देर रात शोएब को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था। उसे जमानत मिलने के बाद पुलिस ने दोबारा गिरफ्तारी की अनुमति मांगी थी। २९ सितंबर को कोर्ट से

छत्तीसगढ़ समाचार

बस्तर का रेल यातायात पिछले १३ दिनों से बंद, नवरात्रि स्पेशल ट्रेन पर लगा ग्रहण

मार्ग की बहाली की तारीख तय नहीं होने से नवरात्रि स्पेशल ट्रेन चलेगी या नहीं, इस पर भी संशय बना हुआ है। नवरात्रि में ओडिशा और आस-पास के इलाकों से कई श्रद्धालु पदयात्रा कर दंतेवाड़ा पहुंचते हैं।

इंजेक्शन लगने के बाद २८ वर्षीय युवक की मौत: झोलाछाप डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप, थाने में शिकायत

कोरबा, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में इलाज के दौरान २८ वर्षीय युवक की मौत का मामला सामने आया है। मृतक के परिजनों ने गांव में इलाज करने वाले एक कथित झोलाछाप डॉक्टर पर गलत इंजेक्शन लगाने और उपचार में लापरवाही का गंभीर आरोप लगाया है।

परिजनों का कहना है कि इंजेक्शन लगाए जाने के बाद युवक की हालत लगातार बिगड़ती गई और करीब एक महीने तक अलग-अलग अस्पतालों में इलाज के बाद उसकी मौत हो गई। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। मृतक के भाई ने पुलिस थाने में शिकायत देकर मामले की जांच और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।मृतक के भाई जागेहर प्रसाद सोनवानी द्वारा सिविल लाइन थाना प्रभारी को दिए गए शिकायत आवेदन के मुताबिक, ग्राम बैदरकोना निवासी हरप्रकाश सोनवानी (२८) २८ अगस्त २०२६ को वाहन चला रहा था।

ईवीएम एसआईआर और पेंशन पर भूपेश

बघेल के सवाल, सरकार पर निशाना

नगर निगम चुनाव बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग

रायपुर, (आरएनएस)। रिसाली नगर निगम चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपनी चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। रिसाली में कांग्रेस की अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, रिसाली चुनाव पर्यवेक्षक मोहन मरकाम समेत कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। नेताओं ने कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर सक्रिय होने और संगठन को मजबूत करते हुए चुनाव जीतने के टिप्स दिए।

बैलेट पेपर से चुनाव की मांग

बैठक के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ईवीएम को लेकर सवाल उठाए. उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में एक ही मशीन से पार्षद और महापौर के लिए दो वोट डाले जाने का प्रयोग किया गया, जबकि निर्वाचन आयोग के निर्देशों में एक चुनाव के लिए एक



ही व्यवस्था का प्रावधान है। उन्होंने ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग की।

भूपेश बघेल का सरकार पर हमला

बघेल ने आरोप लगाया कि एसआईआर के माध्यम से लोगों के नाम मतदाता सूची से काटे जा रहे हैं।

हाथी-मानव दंढ़ का बढ़ा खतरा: कोरबा-कटघोरा में २५० से ज्यादा मकान ध्वस्त, ३३ एकड़ फसल क्षतिग्रस्त, ११ लोगों की मौत

कोरबा, (आरएनएस)। धान की फसल अब बालियां आने के दौर में पहुंच गई है। खेतों में लहलहा रही धान की फसल की सुगंध हाथियों के झुंड को जंगल से खेतों तक खींच ला रही है। इसके साथ ही वनांचल के गांवों में हाथी-मानव दंढ़ का खतरा एक बार फिर बढ़ गया है। हाथियों का दल रात में हॉथी बल्कि कतिन में भी खेतों में पहुंचकर खड़ी फसल को रौंदने और चरने से किसानों की महीनों की मेहनत बर्बाद कर रहे हैं।

स्थिति यह है कि किसान अपनी जान जोखिम में डालकर रात में खेतों की रखवाली करने को मजबूर हैं। वन विभाग के अनुसार कटघोरा वनमंडल में ५२ और कोरबा वनमंडल में १३ हाथी विचरण कर रहे हैं। दोनों वनमंडलों में पिछले एक माह के दौरान हाथियों ने करीब ३३ एकड़ फसल को नुकसान पहुंचाया है।

कटघोरा वनमंडल के पसान सर्किल में हाथियों का उत्पात लगातार जारी है। तराईनगर जंगल में डेरा जमाए करीब ५२ हाथियों का दल रात होते ही जंगल से बाहर निकलकर आसपास के गांवों और खेतों की ओर बढ़ रहा है। बीती रात हाथियों ने भरपांरा, कुम्हारीसानी, बोकरामुड़ी और तराईनगर गांव के खेतों में पहुंचकर धान की फसल को नुकसान पहुंचाया। कई खेतों में हाथियों ने खड़ी फसल को रौंदने के साथ ही उसे चर दिया। ग्रामीणों के अनुसार हाथियों का दल दिनभर जंगल में रहता है और शाम ढलते ही सक्रिय हो जाता है। कई बार यह दल अलग-अलग झुंडों में बंटकर गांवों की ओर बढ़ता है। रातभर खेतों और गांवों के आसपास विचरण करने के बाद सुबह होने से पहले वापस जंगल लौट जाता है।

ईवीएम एसआईआर और पेंशन पर भूपेश

बघेल के सवाल, सरकार पर निशाना

उन्होंने कहा कि जिन देशों में ईवीएम बनती हैं, वहां भी बैलेट पेपर से चुनाव होते हैं। गांव के अनपढ़ लोग भी कहते हैं कि ठप्पे से ही चुनाव होने चाहिए।

सरकार का खजाना पूरा खाली, गारंटी की गारंटी नहीं हुई पूरी

पेंशन के मुद्दे पर उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार के पास वेतन और पेंशन देने तक के लिए पैसा नहीं है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पूरी नहीं हुई है। उन्होंने कहा, जनता के सामने धनबल और बाहुबल नहीं चलता. जनता अब उठ खड़ी हो गई है अब कोई बल नहीं चलेगा।

केदार कश्यप पर भूपेश बघेल का हमला

बोधघाट परियोजना पर बघेल ने कहा कि बिजली उत्पादन के लिए परियोजना का विरोध किया गया था, लेकिन सिंचाई के लिए योजना हो तो विरोध नहीं होगा। वहीं मंत्री केदार कश्यप पर भी उन्होंने गंभीर आरोप लगाए और कहा पहले उनसे जुड़े जमीन और परीक्षा मामले में जवाब लिया जाना चाहिए।

नली जर्सी का दबाव बेहतर प्रदर्शन करने का अवसर देता है : प्रियांश आर्य

नली जर्सी का दबाव बेहतर प्रदर्शन करने का अवसर देता है : प्रियांश आर्य

नई दिल्ली (आरएनएस)। युवा सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने मंगलवार से ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ होने वाले वनडे मैचों की तैयारी के दौरान इंडिया ए के साथ अपने समय को याद किया। उन्होंने इंडिया ए के लिए खेलने का अनुभव मजेदार बताया। उन्होंने कहा कि दबाव में शानदार प्रदर्शन का अवसर भी होता है। प्रियांश ने पिछले साल कानपुर में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ १०१ रन बनाए थे और लिस्ट ए क्रिकेट में उनके नाम पाँच और अर्धशतक हैं। आर्य ने दिल्ली में मीडिया से कहा, इंडिया ए के लिए खेलना बहुत मजेदार है। नीली जर्सी पहनना गर्व की बात है। मुझे पिछले साल इंडिया ए के लिए सेंचुरी बनाकर बहुत अच्छा लगा। जब आप किसी भी स्तर पर देश के लिए खेलते हैं तो आप पर थोड़ा दबाव होता है। दबाव एक मौका भी है। मुझे दबाव में खेलने में मजा आता है और मैं उसे अच्छे से संभालने की कोशिश करता हूं।

दिल्ली का यह बाएँ हाथ का बल्लेबाज पिछले दो इंडियन प्रीमियर लीग सीजन में भी सुर्खियों में रहा है। उन्होंने आईपीएल २०२५ में १७९.२४ के स्ट्राइक रेट से ४७५ रन बनाए और २०२६ सीजन में २११.६ के स्ट्राइक रेट से ३६४ रन बनाए। आईपीएल में वह पंजाब किंग्स के लिए खेलते हैं।

आर्य ने कहा, मैं स्ट्राइक रेट पर उतना फोकस नहीं करता, लेकिन फिर भी मैं जितना हो सके पावरप्ले का फायदा उठाने की कोशिश करता हूं। मैंने पिछले साल की तुलना में इस आईपीएल में थोड़ी ज्यादा मेहनत की, और इसका फायदा मिला। अगर मेरे खेलने के तरीके में ज्यादा रिस्क है, तो इनाम भी ज्यादा है। मुझे बस खुद पर भरोसा है। जब मैं गेंद को हिट करता हूं, तो मन में कोई शक नहीं होता।

उन्होंने कहा, अगर मैं आउट भी हो जाता हूं, तो मुझे ज्यादा बुरा नहीं लगता। मैं हमेशा सकारात्मक रहता हूं। आप ५० ओवर के क्रिकेट में अपना समय ले सकते हैं, और मैं भी ऐसा करता हूं क्योंकि वहां जल्दी रन बनाने का दबाव कम होता है। मैं बस इतना जानता हूं कि आज के समय में आपको हर दिन सुधार करते रहना चाहिए, और मैं भी यही कोशिश करता हूं।

विश्व कप, एशियन गेम्स गोल्ड, एशिया कप, कॉमनवेल्थ, हरमनप्रीत की कप्तानी में महिला क्रिकेट टीम ने देखा सफलता का ऐतिहासिक दौर

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के इतिहास के एक स्वर्णिम अध्याय का मंगलवार को अंत हो गया। अपनी कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम को सफलता की नई ऊंचाई पर पहुंचाने वाली हरमनप्रीत कौर ने अपना पद छोड़ दिया है। ३७ साल की हरमन ने सोशल मीडिया पर महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ने की घोषणा की। बतौर खिलाड़ी वह सक्रिय रहेंगी। हरमनप्रीत कौर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सफलतम कप्तान हैं। हरमनप्रीत के कप्तान बनने से पहले भारतीय टीम देश में विदेश में बड़ी टीमों को चुनौती तो देती, लेकिन जीत से दूर रह जाती थी। २०१६ में पूर्णकालिक कप्तान बनने के बाद हरमन ने टीम को दशा और दिशा दोनों बदल दी। अपनी १० साल की कप्तानी में हरमन ने भारतीय टीम को न सिर्फ अलग-अलग विश्व कपों पर चैंपियन बनाया, बल्कि टीम को एक मजबूत और सशक्त ताकत के रूप में स्थापित किया। ३७ साल की हरमनप्रीत २०१६ में पूर्णकालिक कप्तान बनीं। उनकी कप्तानी में भारतीय महिला टीम ने अपना पहला आईसीसी इवेंट (वनडे विश्व कप २०२५) जीता था। फाइनल में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराया था। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम ने ४ बार एशिया कप (२०१२, २०१६, २०२२ और २०२६) जीता। २०१२ में वह अस्थायी कप्तान थीं। हरमन की कप्तानी में भारतीय महिला टीम हांगझोंग एशियन गेम्स २०२३ और आइ-ची-नागोया एशियन गेम्स में लगातार २ बार गोल्ड मेडल जीता। कॉमनवेल्थ गेम्स २०२२ में भारतीय टीम ने हरमन की कप्तानी में ही सिल्वर मेडल जीता था। हाला ही में लॉर्ड्स में महिलाओं का पहला टेस्ट खेला गया था। हरमन की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने घरेलू टीम इंग्लैंड को हराकर इतिहास रचा था।

16वें वित्त आयोग सहित विकास कार्यों की जिला पंचायत में समीक्षा

ग्राम पंचायतों में प्रस्तावित कार्यो, वित्तीय प्रबंधन और विकास योजनाओं की प्रगति पर हुई चर्चा

मर्मदापुरम (निज) जिला पंचायत मर्मदापुरम के सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित सामान्य सम्मेलन में 16वें वित्त आयोग सहित विभिन्न विकास एवं जनहित से जुड़े विषयों की विस्तार से समीक्षा की गई। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती राधा सुबोध पटेल की अध्यक्षता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन ने मार्गदर्शन में हुई बैठक में जिला पंचायत सदस्यों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े विभिन्न मुद्दे उठाए गए तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों से जानकारी ली गई। बैठक में 16वें वित्त आयोग से प्राप्त एव प्रस्तावित राशि के माध्यम से ग्राम पंचायतों में कराए जाने वाले विकास कार्यों को लेकर चर्चा की गई। पंचायत स्तर पर प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्यों का चयन, उपलब्ध वित्तीय संसाधनों का बेहतर उपयोग तथा कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों की आवश्यकताओं से संबंधित प्रस्ताव भी बैठक में रखे सम्मेलन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं की प्रगति, निर्माण कार्यों की स्थिति तथा लंबित कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण कराने पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता बनाए रखने तथा वेदनी स्तर पर नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल, सड़क, आवास, विद्युत, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े विषयों पर सदस्यों ने अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करवाया। बैठक में प्राप्त शिकायतों एवं समस्याओं का विभागीय स्तर पर परीक्षण कर नियमानुसार शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में हुई जनसुनवाई



नर्मदापुरम (निप्र) पुलिस अधीक्षक कार्यालय नर्मदापुरम एवं थाना स्तर पर साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन, आमजन की शिकायतों का निराकरण किया गया। पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम साई कृष्णा (भापुसे) द्वारा आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय, नर्मदापुरम में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न

क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएँ साझा कीं और उनके निराकरण की मांग की। आज की जनसुनवाई के दौरान कुल 4 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें मुख्य रूप से परिवारिक विवाद, संपत्ति संबंधी मामले, धोखाधड़ी एवं अन्य व्यक्तिगत शिकायतें शामिल थीं। पुलिस अधीक्षक

नर्मदा तट के सेठानी घाट पर 26 वर्षों से किया जा रहा है अतृप्त आत्माओं का तर्पण और पिंडदान



नर्मदापुरम (निप्र)। माँ नर्मदा के विश्व प्रसिद्ध सेठानी घाट पर शहर के व्यापारी व समाजसेवियों द्वारा अमृत आत्माओं का तर्पण और पिण्डदान किया गया। समिति के मनोहर बड़ानी ने बताया कि पुरखों की एकादशी ग्यारस पर नर्मदा व माँ नर्मदा के तट पर पिछले छब्बीस वर्षों से अमृत आत्माओं, तथा जिसके परिवार में कोई नहीं था पिछले परिवार द्वारा किसी कारणवश तर्पण नहीं किया जाता तथा देश के शहीद हुए सैनिकों एवं अकाल मृत्यु को प्राप्त व्यक्तियों को आत्मा की शांति के लिए व विधिवत् तर्पण तथा तर्पण किया गया। जिससे आत्माओं को शांति व मोक्ष प्राप्त हो सके तथा सभी का भला हो व सुख शांति बनी रहे। पिण्ड दान तथा तर्पण पश्चात् लड्डू, खीर, कचौरी, समीसे, फल, जलेबी व फलहार का भोग लगाकर प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में समिति के मनोहर बड़ानी, शैलेन्द्र गौर, राकेश राठीर, बंटी करैया, जितेन्द्र सिंह सेंगर, आनंद यादव, अजय मदनानी, मनमोहन यादव, सागर मदनानी, संतोष सराठे सहित अन्ये व्यापारी एवं समाजसेवी शामिल हुए। पूजा पाठ विधिवत रूप से आचार्य पं गोपाल प्रसाद खड्डर ने करायी।

**जनगणना 2027 के द्वितीय चरण एवं जनसंख्या
गणना को लेकर जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित**

अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनगणना प्रक्रिया, दायित्वों और निर्धारित प्रावधानों की दी गई जानकारी

गणना की तैयारियों के संबंध में जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनगणना कार्य

का प्रक्रिया, दायित्व तथा निर्धारित प्रवर्धना का विस्तार से जानकारी देना पड़ेगा। प्रशिक्षण का उद्देश्य जनगणना कार्य को व्यवस्थित, त्रुटिरहित तथा निर्धारित समय-सीमा में संपन्न कराना है। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनगणना के द्वितीय चरण में किए जाने वाले कार्यों, आवश्यक प्रपत्रों के संधारण तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जानकारी संचालित करने की प्रक्रिया समझाई गई। जनसंख्या गणना के दौरान प्रत्येक परिवार एवं व्यक्ति से संबंधित आवश्यक जानकारी सावधानीपूर्वक लेख्य करने तथा आंकड़ों की शुद्धता बनाए रखने को जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में जनगणना कार्य में मैदानी अमले की भूमिका एवं जिम्मेदारियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी के अनुरूप अपने दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करें तथा जनगणना कार्य के सफल संचालन के लिए आपसी समन्वय बनाए रखें।

कलेक्टर ने श्री राम वाटिका के उन्नयन कार्यों का किया निरीक्षण

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का लिया जायजा, नागरिकों की सुविधा के अनुरूप विकास कार्य कराने के लिए निर्देश



नर्मदापुरम (निप्र)। मंगलवार को कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सिवनी मालवा में श्री राम वाटिका को उद्घाटन एवं सौंदर्यीकरण के लिए किए जा रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पार्क परिसर में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों का अवलोकन करते हुए कक्षा की प्रगति एवं गुणवत्ता की जानकारी ली। साथ संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

क्लेक्टर ने निर्देशित किया कि श्री राम वाटिका को नागरिकों के लिए सुविधाजनक, आकर्षक एवं व्यवस्थित स्वरूप में विकसित किया जाए। उन्होंने पार्क में पाथवे निर्माण कराने के निर्देश दिए, ताकि पार्क में आने वाले नागरिकों को सुगम रूप से मॉनिंग और इवनिंग वॉक की सुविधा मिल सके। उन्होंने पाथवे

का निर्माण इस प्रकार कराने के लिए कहा कि पार्क के विभिन्न हिस्सों तक नागरिक आसानी से पहुंच सकें और पार्क का बेहतर उपयोग हो सके।

निरिक्षण के दौरान कलेक्टर ने पाक में लाइटिंग एवं विद्युत साज-सज्जा को लेकर भी आवश्यक सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि पाक में पर्याप्त एवं व्यवस्थित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे शाम के समय भी नागरिकों को सुविधा मिल सके तथा पाक का सौंदर्य भी बेहतर दिखाई दे। विद्युत साज-सज्जा के कार्यों में सुरक्षा एवं व्यवस्थित वायरिंग का भी विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पाक में आने-जाने वाले मार्गों का भी अवलोकन किया। उन्होंने निर्देश दिए कि आवश्यकता के अनुरूप प्रवेश एवं निकास मार्गों पर सुव्यवस्थित गेट आदि का निर्माण कराया जाए। पाक में नागरिकों की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक सुविधाओं का समुचित प्रावधान करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि पाक के उपयोग कार्य में उपयोगी की जा रही सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए तथा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप ही सभी कार्य पूर्ण किए जाएं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए और शीघ्र पूर्ण कर पाक को नागरिकों के उपयोग के लिए तैयार किया जाए।

कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान श्री राम वाटिका परिसर में पौधारोपण भी किया। उन्होंने पार्क के सौंदर्यीकरण के साथ ही हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण को दिशा में पौधारोपण को महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष सिवनी मालवा रिशे जैन, एसडीएम विजय राव सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत

पिपरिया में निशुल्क नेत्र परीक्षण

एवं चश्मा वितरण शिविर आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र) सेवा संकल्प आभयान 2026 के अंगंत गंगलवार को रोग निदान अस्पताल पिपरिया में नशुलक नेत्र रोग सिवाल एवं चरमा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिविर में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र से आए 190 लोगों को नेत्र परीक्षण किया गया। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. उदित भट्ट एवं शंकराचार्य नेत्र चिकित्सालय, झोतेश्वर, नरसिंहपुर की टीम द्वारा नागरिकों को आँखों की जांच की गई। नेत्र परीक्षण के दौरान 12 मरीजों में मोतियाबिंद की पहचान की गई। वहीं 110 लोगों को नशुलक चरमे वितरित किए गए। चरमा वितरण कार्यक्रम में विद्याधर ठाकुरदास नागवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष नीना नागपाल, जनपद अध्यक्ष संध्या सिंगार, माधवदास अग्रवाल, राजा भैया, प्रशांत रघुवंशी, बलराम ठाकुर, गोपाल दुदान, पवन बालिया, वनवीन नागपाल ममता नागवंशी एवं अरुणा जोशी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। शिविर के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के नागरिकों को विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा नेत्र परीक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई गई तथा जरूरतमंद लोगों को नशुलक चरमे वितरित किए गए।

18 वर्ष पूर्ण करने वाले युवाओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े जाएंगे

विधानसभा क्षेत्र 137 होशंगाबाद में बीएलओ को डोर-टू-डोर सर्वे एवं नाम जोड़ने की प्रक्रिया का दिया गया प्रशिक्षण



नर्मदापुरम (निप्र) निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 137 में हरीशचन्द्रगढ़ में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के पश्चात मतदाता सूची में छूट-पूर मतदाताओं तथा प्रथम बार पात्र हो रहे युवाओं के नाम जोड़ने की प्रक्रिया के संबंध में मंगलवार को प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में बीपीएल परिवारों को अपने-अपने मतदाता क्षेत्र में डोर-पूर डोर सर्वे कर ऐसे पात्र मतदाताओं के नाम जांचकारी जुटाने के निर्देश दिए गए, जिनके नाम

एसआरओ के दौरान मतदाता सूची में दर्ज नहीं होने हैं। इसके साथ ही 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवाओं के नाम भी मतदाता सूची में जोड़ने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जितेन्द्र यादव, प्रोग्रामर द्वारा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस दौरान अनुविभागीय एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि ओरवाइजर एवं वीएलओ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में शामिल करना निर्वाचन प्रक्रिया का मूल्यपूर्ण कार्य है। इसलिए सभी वीएलओ अपने क्षेत्र में गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ सर्वे कार्य करें। उन्होंने निर्देश दिए कि झूठे हुए प्राप्त मतदाताओं एवं 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवा मतदाताओं के नाम जोड़ने की कार्रवाई को प्राथमिकता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा गतिविधि का आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र) । कलेक्टर के मार्गदर्शन में सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत 06 अक्टूबर 2026 को शासकीय

पालाटिनिक महाविद्यालय, नमदापुरम में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस आसपास पर महाविद्यालय के अधिकांश-कर्मचारियों को छात्र-छात्राओं द्वारा सफाईकृत रूप से महाविद्यालय परिसर में साफ-सफाई की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता और श्रम के प्रति सम्मान तथा स्वच्छ वातावरण बनाए रखने की जिम्मेदारी को भावना विकसित करना था। इस दौरान सभी ने अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने एवं स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ पी सी नरवर ने विद्यार्थियों

को स्वच्छता के महत्व से अवगत कराते हुए समाज में स्वच्छता का संदेश प्रसारित करने के लिए प्रेरित किया। स्वच्छता अभियान के प्रभारी अधिकारी आर आर चंद्रकार, अंकुर सक्सेना, देवेश तिवारी विभागाध्यक्ष, मनोज वर्मा, दीपक मालवीय सहित समस्त महाविद्यालय परिवार ने स्वच्छता अभियान में सहभागिता निभाई।



खंड - I ई-निविदा आमंत्रण सूचना मध्यप्रदेश शासन कार्यालय - उत्तर बैतूल (सा.) वनमंडल, जिला बैतूल, मध्यप्रदेश ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 5889/ई-टेंडरिंग/2026-27 दिनांक 01/10/2026				
वनमंडलाधिकारी, उत्तर बैतूल (सा.) वनमंडल द्वारा म.प्र. भंडार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित-2022) के अंतर्गत निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।				
क्र.	सामग्री का नाम एवं स्पेसिफिकेशन	मात्रा	सत्यांकार निधि	निविदा दस्तावेजों का मूल्य
1	Galvanised Steel Chainlink Fence Mesh Wire- Galvanised steel wire of 3.15 mm diameter Fabric Size- 100x100 mm Height- 150 cm Line Wire- 2 numbers of line wires of 4.00 mm diameter Standard- Conforming to IS 2721:2003, with up to date-amendments.	60000 Sqmt	2,60,000/-	500/-
2	Galvanized Steel Barbed Wire Line Wire- Galvanized steel wire of 2.5mm diameter. Point wire- Galvanized steel wire of 2.5 mm diameter. Barbs- Distance between two barbs 75mm, the barbs shall have four points and shall be formed by twisting two point wires each two turns tightly around both the line wires making altogether four complete turns. Standard- Conforming to IS 278:2009 with up to date-amendments.	42000 Kg	1,30,000/-	

- निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई-प्रोक्रयोरमेंट पोर्टल पर निःशुल्क देखे और डाउनलोड किए जा सकते हैं।
- इच्छुक निविदाकार क्रेडिट कार्ड/डेबिट कार्ड/कैश कार्ड/ईरनरेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज को ई-प्रोक्रयोरमेंट पोर्टल पर दिनांक 05/10/2026 शाम 05.00 PM बजे से निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय तक केवल ऑनलाइन खरीद सकते हैं।
- ई-प्रोक्रयोरमेंट पोर्टल पर महत्वपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लेखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होंगी।
- ई-निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्धिपत्र / परिशिष्ट, यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा, समाचार पत्रों में नहीं।
- ई-प्रोक्रयोरमेंट पोर्टल : <https://www.mptenders.gov.in/>

स्वात्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरो प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस, तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा "शिवरानी भवन", क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरो प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitiijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitiijkiran.com